Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25

www.dainikvishwapariwar.com

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 116 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, शनिवार 07 नवम्बर 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार



जैन धर्म का मूल विस्तार यह है कि वह प्रत्येक आत्माओं को परमात्मा बनाने की क्षमता को बताता है।

The fundamental of jainism is that it explains every soul's capability to become god.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

दीपोत्सव 2026: उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन अयोध्या समारोह में होंगे शामिल

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी. राधाकृष्णन शनिवार को अयोध्या दौरे के दौरान आयोजित दीपोत्सव 2026 में शामिल होंगे। अपनी यात्रा के दौरान उपराष्ट्रपति राम जन्मभूमि मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे और अयोध्या में श्री राम के प्रतीकात्मक राज्याभिषेक समारोह में शामिल होंगे। इस अवसर पर वे सम्मानित संतों का सम्मान भी करेंगे। शनिवार को होने वाला 'अयोध्या दीपोत्सव 2026', इस भव्य उत्सव की 10वीं वर्षगांठ होगी, जो रविवार को आने वाली दीपावली से पहले आयोजित किया जा रहा है। एक बयान के अनुसार आयोजकों का लक्ष्य 56 घाटों पर 30 से 33 लाख से अधिक मिट्टी के दीए जलाने का



है। इसमें मुख्य केंद्र 'राम की पैड़ी' और सरयू नदी के किनारे शामिल हैं। गुरुवार को एक कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति ने कहा कि अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में भारत की उल्लेखनीय प्रगति न केवल देश के लिए एक मिसाल है, बल्कि 'ग्लोबल साउथ' के लिए भी एक मॉडल है। यहां 'भारत अक्षय ऊर्जा शिखर सम्मेलन और एक्सपो 2026' के समापन सत्र को संबोधित करते हुए राधाकृष्णन ने बताया कि भारत की गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित स्थापित क्षमता 300 गीगावाट को पार कर गई है। उन्होंने कहा कि भारत ने 2025 में ही अपनी कुल स्थापित बिजली क्षमता का 50 प्रतिशत हिस्सा गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से हासिल कर लिया है, जो उसके तय लक्ष्य से पांच साल पहले है।

उन्होंने बताया कि पिछले एक दशक में सौर ऊर्जा क्षमता 3 गीगावाट से कम से बढ़कर 170 गीगावाट से अधिक हो गई है। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा, जो कभी कोयले से बनने वाली बिजली की तुलना में कई गुना महंगी थी। अब भारत में बिजली के सबसे सस्ते स्रोतों में से एक है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव बेहतर नीतियों, निजी उद्यमों और राज्यों तथा नागरिकों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उपराष्ट्रपति ने बताया कि 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' के तहत 65 लाख से अधिक परिवार इस सौर अभियान से जुड़े हैं, जिससे उन्हें किफायती और स्वच्छ ऊर्जा मिल रही है।

पटवारियों की हड़ताल से धान खरीदी की तैयारी प्रभावित



रायपुर। छत्तीसगढ़ में पटवारियों की हड़ताल राजस्व विभाग के लिए चुनौती बनती जा रही है। 15 नवंबर से धान खरीदी शुरू होनी है, लेकिन पटवारियों के काम पर नहीं लौटने से इसकी तैयारियों पर असर पड़ रहा है। ऐसे में सरकार आंदोलन खत्म कराने के लिए सख्त कदम उठा सकती है। राजस्व विभाग एस्मा लगाने की तैयारी कर रहा है। वहीं, हड़ताल कर रहे 150 से ज्यादा पटवारियों को नोटिस दिया जा चुका है। संघ के प्रांतीय अध्यक्ष भागवत कश्यप को भी निलंबित किया गया है। दूसरी ओर, पटवारी अपनी मांगों को लेकर पीछे हटने को तैयार नहीं हैं।

धनतेरस पर हुई बाजार में धनवर्षा

नई दिल्ली। धनतेरस पर देशभर में 1 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के कारोबार हुआ. सोने-चांदी की बिक्री 60 हजार करोड़ के पार हो गई. धनतेरस पर आज बाजारों में खूब रौनक रही. सोने-चांदी की कीमतें ऊंची बनी हुई



हैं, लेकिन खरीदारी का उत्साह कम नहीं हुआ है. कोई सोने के हल्के गहने खरीद रहा है, तो कोई चांदी के सिक्के, बर्तन और घर सजाने का सामान. कारोबारियों को उम्मीद है कि इस बार धनतेरस पर देशभर में 1 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार हुआ।



त्योहार पर रायपुर कमिश्नरेट पुलिस की यातायात और सुरक्षा व्यवस्था सख्त



- त्योहारों में बाजारों पर ड्रोन से नजर
- सदर बाजार, मालवीय रोड, पंडरी और पुरानी बस्ती में पुलिस ने 100 गाड़ियां क्रेन से हटाईं

रायपुर (विश्व परिवार)। बाजारों में बढ़ती भीड़ को देखते हुए रायपुर कमिश्नरेट पुलिस ने यातायात और सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी है। शहर के प्रमुख बाजारों में पुलिस की लगातार पेट्रोलिंग की जा रही है। वहीं, भीड़ और यातायात पर नजर रखने के लिए ड्रोन कैमरों से निगरानी की जा रही है। नो-पार्किंग में खड़े और रास्ता रोकने वाले 100 से ज्यादा वाहनों को क्रेन से हटाया जा चुका है। यातायात पुलिस का यह अभियान सदर बाजार, मालवीय रोड, जयस्तंभ चौक, पंडरी मार्केट, पुरानी बस्ती और भाठागांव जैसे व्यस्त इलाकों में चल रहा है। पुलिस अधिकारी और जवान बाजारों में गश्त कर रहे हैं, ताकि खरीदारी के लिए आने वाले लोगों और व्यापारियों को जाम का सामना न करना पड़े।

नो-पार्किंग में वाहन खड़े किए तो ई-चालान

पुलिस ने बाजारों में नो-पार्किंग जोन और सड़क पर बाधा बनकर खड़े वाहनों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है। ऐसे वाहनों का ई-चालान काटने के साथ क्रेन से जब्त कर हटाया जा रहा है। अभियान के दौरान अब तक 100 से अधिक वाहनों को क्रेन की मदद से हटाया गया है।

ड्रोन से बाजारों की निगरानी

यातायात व्यवस्था के साथ सुरक्षा बनाए रखने के लिए पुलिस ड्रोन कैमरों से बाजारों की एरियल निगरानी भी कर रही है। इससे प्रमुख बाजारों में भीड़ और यातायात की स्थिति पर नजर रखी जा रही है। पुलिस की वाहन चालकों से अपील की है कि वाहन निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़े करें। सड़क पर बनी सफेद पट्टी (व्हाइट लाइन) के भीतर ही पार्किंग करें। नो-पार्किंग जोन और संकरे रास्तों पर वाहन खड़े न करें। यातायात व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें।

नितिन नबीन और स्मृति ईरानी छत्तीसगढ़ आएंगे

- 15 नवंबर को रहेंगे प्रदेश प्रवास में, जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में होंगे शामिल

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन 15 नवंबर को छत्तीसगढ़ आएंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालने के बाद उनका यह पहला प्रदेश दौरा होगा। वे रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के आमंत्रण पर नितिन नबीन ने दौरे के लिए



सहमति दी है। कार्यक्रम में भाजपा की प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी भी मौजूद रहेंगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश प्रभारी के दौरे को लेकर बीजेपी ने तैयारियां शुरु कर दी है। बीजेपी सूत्रों के अनुसार राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी कार्यक्रम स्थल में प्रदेश पदाधिकारियों की मीटिंग लेकर। मीटिंग के दौरान प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी राष्ट्रीय अध्यक्ष की मौजूदगी पूर्व दौरे में हो चुकी चर्चा का फीड बैक और अपडेट लेंगे और प्रदेश के पदाधिकारियों को निर्देश जारी करेंगे। जानकारी के मुताबिक, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को छत्तीसगढ़ आने का आमंत्रण दिया था। इसके बाद नितिन नबीन ने 15 नवंबर को धरमजयगढ़ पहुंचने की सहमति दी। राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद उनके पहले दौरे को प्रदेश भाजपा संगठन के लिहाज से अहम माना जा रहा है। उनके आगमन को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह है।

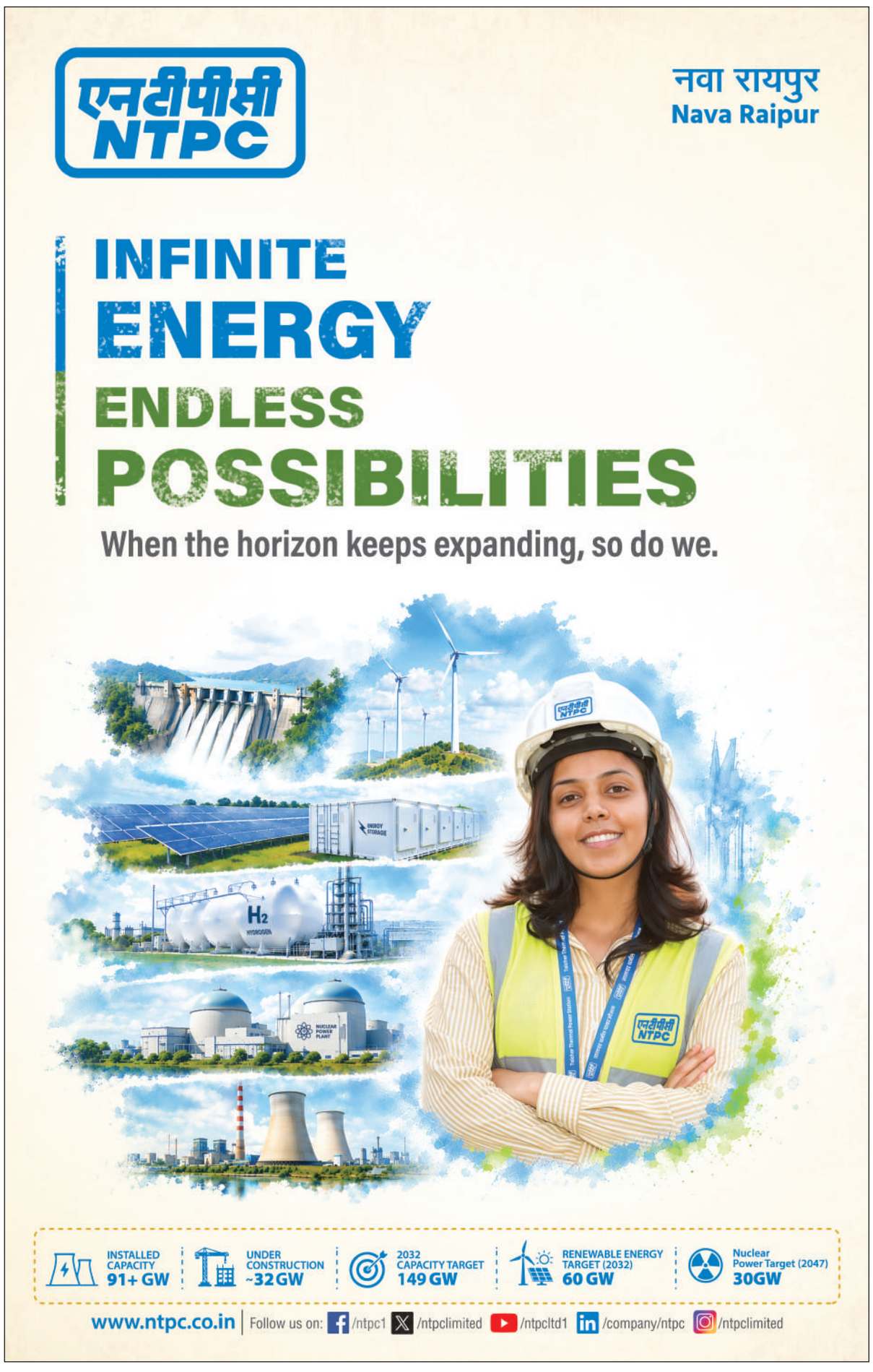


अमिताभ बच्चन का बंगला उड़ाने की धमकी



मुंबई। अमिताभ बच्चन के बंगले 'जलसा' को बम से उड़ाने की धमकी वाला ईमेल मिला है। इसके बाद मुंबई में सुरक्षा अलर्ट जारी किया गया है। ईमेल में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज, वर्ली रेसकोर्स और बॉम्बे हाईकोर्ट को भी उड़ाने की धमकी दी गई है। ईमेल मिलने के बाद मुंबई पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। इससे पहले 23 अक्टूबर को मुंबई की मेयर रितु तावड़े को एक धमकी भरा ई-मेल आया था। इसमें भी बच्चन के बंगले को बम से उड़ाने की बात लिखी गई थी। अधिकारियों के मुताबिक, पुलिस, बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वॉड और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने इन सभी जगहों पर बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया। हालांकि, पुलिस को कहीं भी कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। पुलिस ने बताया कि साइबर पुलिस की टीम ईमेल या संदेश भेजने वाले व्यक्ति के आईपी एड्रेस का पता लगा रही है।





दैनिक
विश्व परिवार
छत्तीसगढ़
रायपुर, शनिवार 07 नवम्बर 2026
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दीपावली के पावन अवसर पर बाढ़ प्रभावितों को मिला सहारा : विधायक



धरसींवा (विश्व परिवार)। हाल ही में क्षेत्र में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित हुए धरसींवा क्षेत्रवासियों के पुनर्वास और आर्थिक संबल के लिए प्रदेश सरकार द्वारा स्वीकृत राहत सहायता राशि का वितरण आज धनतेरस एवं दीपावली के पावन पर्व पर शुरू किया गया। धरसींवा विधायक अनुज शर्मा ने अपने 'सेवा सदन' विधायक कार्यालय में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान बाढ़ पीड़ित 106 प्रभावित परिवारों को राहत राशि के चेक प्रदान किए। त्योंहारों के समय मिली इस सहायता से बाढ़ से प्रभावित परिवारों के जीवन में दोबारा आशा और राहत की किरण जागी है।चेक वितरण कार्यक्रम के दौरान प्रभावित परिवारों को संबोधित करते हुए विधायक अनुज शर्मा ने कहा कि आज का यह दिन हमारे लिए केवल एक त्यौहार मनाने का दिन नहीं है, बल्कि एक-दूसरे के सुख-दुख में सहभागी बनने का और अपनों का हाथ थामने का दिन है। हम सब जानते हैं कि बीते दिनों हमारे इस क्षेत्र में बाढ़ ने किस प्रकार तबाही मचाई थी। धरसींवा के कई परिवारों ने पानी के सैलाब में अपना सब कुछ दांव पर लगते देखा, अपने घरों और आशियानों को उजड़ते देखा। बाढ़ की आपदा से हमारे धरसींवा क्षेत्र के कई परिवारों को भारी आर्थिक और मानसिक क्षति पहुंची है। त्यौहारों के इस पावन अवसर पर हमारा दायित्व है कि हम अपने पीड़ित भाइयों और बहनों का साथ दें सकें। संकट की इस घड़ी में हमारी सरकार और आपका यह सेवक हर कदम पर आपके साथ मजबूती से खड़ा है। यह केवल एक आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि पुनरुत्थान का एक संकल्प है।बाढ़ के तुरंत बाद विधायक अनुज शर्मा के निर्देश पर प्रशासनिक टीमों द्वारा संपूर्ण धरसींवा क्षेत्र के प्रभावित इलाकों का दौरा कर नुकसान का त्वरित और पारदर्शी सर्वेक्षण किया गया था। शासन स्तर पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए पात्र 106 बाढ़ पीड़ित परिवारों के लिए सहायता राशि की मंजूरी दी गई।धनतेरस के दिन चेक प्राप्त करने के बाद प्रभावित परिवारों ने विधायक अनुज शर्मा एवं राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम के अंत में विधायक अनुज शर्मा ने यह भी आश्वस्त किया कि राहत राशि वितरण के साथ-साथ क्षेत्र में बाढ़ से क्षतिग्रस्त हुए बुनियादी ढांचे, सड़कों और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने का कार्य भी प्राथमिकता के आधार पर जारी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि क्षेत्र के अंतिम व्यक्ति तक शासन की सभी कल्याणकारी योजनाओं और सहायता का लाभ समय पर पहुंचे।

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने अक्टूबर में 7.34 लाख यूनिट्स की बिक्री का रिकॉर्ड बनाया

रायपुर (विश्व परिवार)। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एचएमएसआई) ने अक्टूबर 2026 में कुल 7.34 लाख यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो अक्टूबर 2025 में बेची गई 6.50 लाख यूनिट्स की तुलना में साल-दर-साल 13त्न की बढ़ोतरी है।अक्टूबर 2026 में घरेलू बिक्री 6.64 लाख यूनिट रही, जो अक्टूबर 2025 में बेची गई 5.98 लाख यूनिट से 11त्न ज़्यादा है। अक्टूबर 2026 में एक्सपोर्ट 0.69 लाख यूनिट रहा, जो अक्टूबर 2025 में एक्सपोर्ट की गई 0.51 लाख यूनिट से 35त्न ज़्यादा है।स्नङ्क27 (अप्रैल-अक्टूबर 2026) के साल-दर-साल के समय के लिए, एचएमएसआईने कुल 41.74 लाख यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो अप्रैल-अक्टूबर 2025 के दौरान बेची गई 36.44 लाख यूनिट्स से 15त्न ज़्यादा है। अप्रैल-अक्टूबर 2026 के दौरान घरेलू बिक्री 37.08 लाख यूनिट्स रही, जो अप्रैल-अक्टूबर 2025 के दौरान बेची गई 32.80 लाख यूनिट्स की तुलना में 13त्न ज़्यादा है। अप्रैल-अक्टूबर 2026 के दौरान एक्सपोर्ट 4.65 लाख यूनिट्स रहा।

दिल्ली विश्वविद्यालय
NIVERSITY OF DELHI

विज्ञापन सं. R&P/323/2026 दिनांक: 19.10.2026

दिल्ली विश्वविद्यालय में वरिष्ठ सहायक एवं सहायक के पदों पर नियुक्ति हेतु पात्र अभ्यर्थियों से निर्धारित आवेदन प्रपत्र में ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 09.11.2026 अथवा रोजगार समाचार में विज्ञापन प्रकाशित होने की तिथि से दो सप्ताह के भीतर, इनमें से जो भी बाद में हो, निर्धारित की गई है। अधिक जानकारी के लिए, कृपया विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.du.ac.in पर जाएँ तथा "Work with DU" शीर्षक के अंतर्गत "Advertisement - Departments" पर क्लिक करें।

किसी भी परिशिष्ट/शुद्धिपत्र को केवल विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर ही अपलोड किया जाएगा।

कुलसचिव

CBC 21231/11/0018/2627

धनतेरस-दीपावली पर महापौर ने कातुलबोर्डवासियों को दी रोशनी की सौगात

दुर्ग। नगर पालिक निगम।धनतेरस एवं दीपावली के पावन पर्व पर नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा शहरवासियों को रोशनी की सौगात दी गई। इसी क्रम में पटरीपार वार्ड क्रमांक 60 अंतर्गत कातुलबोर्ड चौक एवं प्रमुख मार्ग पर 27 लाख रुपये की लागत से 72 विद्युत पोलों पर आधुनिक लाइटें लगाई गई हैं। महापौर अलका बाघमार ने नागरिकों की उपस्थिति में स्विच दबाकर लाइटों का शुभारंभ किया। लाइटों से पूरा मार्ग रोशनी से जगमगा उठा।इस पहल का उद्देश्य प्रमुख मार्ग पर रात्रि के समय पर्याप्त रोशनी उपलब्ध कराना, यातायात को सुगम बनाना तथा राहगीरों और वाहन चालकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। त्योहारी अवसर पर क्षेत्र को रोशनी से जगमगाता देख नागरिकों में उत्साह का माहौल रहा। इस दौरान महापौर ने क्षेत्रवासियों एवं शहरवासियों को धनतेरस और दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि त्योहार खुशियों, उमंग और प्रकाश का प्रतीक है। नगर निगम का प्रयास है कि शहर के प्रत्येक वार्ड में नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक रायपुर-11-टिकरापारा, तहसील रायपुर जिला रायपुर
आम-सूचना

दिनांक 05/11/2026
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका **SHRI ANANDPUR TRUST DWARA R DAYANAND VAGARH** पिता- **SWAMI DARSHNPURAN ANAND JI MAHARAJ** पता- द्वारा आवेदित ग्राम अमलीडीह प.ह.न. 00069 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-11-टिकरापारा स्थित भूमि **खसरा नंबर 143/6 (0.0410)** हेक्टेयर का सीमांकन न्यायालय नायब तहसीलदार 8**A** रायपुर के **ज्ञा0 / रा0 प्र0 क्र. 202610114900094** रायपुर के आदेश **दिनांक 29/10/2026** के परिपालन में **दिनांक 12/11/2026** को 1 PM बजे पश्चात किया जाना है। अत: उक्त भूमि के सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो वह उक्त **दिनांक 12/11/2026** को पूर्वान्ह / अपरान्ह 1 PM समय तक **पटवारी हल्का नंबर 00069 / राजस्व निरीक्षक रायपुर-11-टिकरापारा** के स्थित कार्यालय में दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद के किसी दावा या आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा। अत: सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक: YASH VARHADPANDE
रायपुर-11-टिकरापारा

कार्यालय राजस्व निरीक्षक रायपुर-11-टिकरापारा, तहसील रायपुर जिला रायपुर
आम-सूचना

दिनांक 05/11/2026
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका **SHRI ANANDPUR TRUST DWARA R DAYANAND VAGARH** पिता- SWAMI DARSHNPURAN ANAND JI MAHARAJ पता- **द्वारा आवेदित ग्राम अमलीडीह प.ह.न. 00069 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-11-टिकरापारा स्थित भूमि खसरा नंबर 143/6 (0.0410)** हेक्टेयर का सीमांकन न्यायालय नायब तहसीलदार 8**A** रायपुर के **ज्ञा0 / रा0 प्र0 क्र. 202610114900094** रायपुर के आदेश **दिनांक 29/10/2026** के परिपालन में **दिनांक 12/11/2026** को 1 PM बजे पश्चात किया जाना है। अत: उक्त भूमि के सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो वह उक्त **दिनांक 12/11/2026** को पूर्वान्ह / अपरान्ह 1 PM समय तक पटवारी हल्का नंबर 00069 / राजस्व निरीक्षक रायपुर-11-टिकरापारा के स्थित कार्यालय में दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद के किसी दावा या आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा। अत: सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक: YASH VARHADPANDE
रायपुर-11-टिकरापारा

कार्यालय राजस्व निरीक्षक रायपुर-11-टिकरापारा, तहसील रायपुर जिला रायपुर
आम-सूचना

दिनांक 05/11/2026
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका **SHRI ANANDPUR TRUST DWARA NIR-LEP ANAND** पिता- SHRI SHRI 108 SWAMI DARSHAN PURAN पता- द्वारा आवेदित **ग्राम अमलीडीह प.ह.न. 00069 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-11-टिकरापारा** स्थित **भूमि खसरा नंबर 140/256 (0.0457)** हेक्टेयर का सीमांकन न्यायालय नायब तहसीलदार 8**A रायपुर के ज्ञा0/ रा0 प्र0 क्र. 202610114900088** रायपुर के आदेश **दिनांक 23/10/2026** के परिपालन में दिनांक 12/11/2026 को 1 PM बजे पश्चात किया जाना है। अत: उक्त भूमि के सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो वह उक्त **दिनांक 12/11/2026** को पूर्वान्ह / अपरान्ह 1 PM समय तक **पटवारी हल्का नंबर 00069** / राजस्व निरीक्षक रायपुर-11-टिकरापारा के स्थित कार्यालय में दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद के किसी दावा या आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा। अत: सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक: YASH VARHADPANDE
रायपुर-11-टिकरापारा

कार्यालय राजस्व निरीक्षक रायपुर-11-टिकरापारा, तहसील रायपुर जिला रायपुर
आम-सूचना

दिनांक 05/11/2026
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका **SHRI ANANDPUR TRUST DWARA NIR-LEP ANAND** पिता- **SHRI SHRI** 108 **SWAMI DARSHAN PURAN** पता- द्वारा **आवेदित ग्राम अमलीडीह प.ह.न. 00069 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-11-टिकरापारा** स्थित भूमि खसरा नंबर 140/256 (0.0457) हेक्टेयर का सीमांकन न्यायालय नायब तहसीलदार 8 रायपुर के ज्ञा0/ रा0 प्र0 क्र. **202610114900088 रायपुर** के आदेश **दिनांक 23/10/2026** के परिपालन में **दिनांक 12/11/2026** को 1PM बजे पश्चात किया जाना है। अत: उक्त भूमि के सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो वह उक्त **दिनांक 12/11/2026** को पूर्वान्ह / अपरान्ह 1 PM समय तक पटवारी हल्का नंबर 00069 / राजस्व निरीक्षक रायपुर-11-टिकरापारा के स्थित कार्यालय में दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद के किसी दावा या आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा। अत: सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक: YASH VARHADPANDE
रायपुर-11-टिकरापारा

कार्यालय राजस्व निरीक्षक रायपुर-11-टिकरापारा, तहसील रायपुर जिला रायपुर
आम-सूचना

दिनांक 05/11/2026
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका **SHRI ANANDPUR TRUST DWARA R DAYANAND VAGARH** पिता- **SWAMI DARSHNPURAN ANAND JI MAHARAJ** पता द्वारा आवेदित ग्राम अमलीडीह प.ह.न. 00069 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-11-टिकरापारा स्थित भूमि **खसरा नंबर 143/23(0.0850)** हेक्टेयर का सीमांकन न्यायालय नायब तहसीलदार 8**A** रायपुर के ज्ञा0/ रा0 प्र0 **क्र. 202610114900096** रायपुर के आदेश **दिनांक 29/10/2026** के परिपालन में **दिनांक 12/11/2026** को 1 PM बजे पश्चात किया जाना है। अत: उक्त भूमि के सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो वह उक्त **दिनांक 12/11/2026** को पूर्वान्ह/अपरान्ह 1 PM समय तक पटवारी हल्का नंबर 00069 / राजस्व निरीक्षक रायपुर-11-टिकरापारा के स्थित कार्यालय में दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद के किसी दावा या आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा। अत: सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक: YASH VARHADPANDE
रायपुर-11-टिकरापारा

कार्यालय राजस्व निरीक्षक रायपुर-11-टिकरापारा, तहसील रायपुर जिला रायपुर
आम-सूचना

दिनांक 05/11/2026
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका SHRI ANANDPUR TRUST DWARA NIR-LEP ANAND पिता- SHRI SHRI 108 SWAMI DARSHAN PURAN पता- द्वारा आवेदित ग्राम अमलीडीह प.ह.न. 00069 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-11-टिकरापारा स्थित भूमि खसरा नंबर **151/229 (0.1144)** हेक्टेयर का सीमांकन न्यायालय नायब तहसीलदार 8**A** रायपुर के ज्ञा0/ रा0 प्र0 क्र. 202610114900097 रायपुर के आदेश दिनांक 29/10/2026 के परिपालन में दिनांक 19/11/2026 को 1 PM बजे पश्चात किया जाना है। अत: उक्त भूमि के सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो वह उक्त **दिनांक 19/11/2026** को पूर्वान्ह अपरान्ह 1 PM समय तक पटवारी हल्का नंबर 00069 / राजस्व निरीक्षक रायपुर-11-टिकरापारा के स्थित कार्यालय में दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद के किसी दावा या आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा। अत: सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक: YASH VARHADPANDE
रायपुर-11-टिकरापारा

कार्यालय राजस्व निरीक्षक रायपुर-11-टिकरापारा, तहसील रायपुर जिला रायपुर
आम-सूचना

दिनांक 05/11/2026
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका **SHRI ANANDPUR TRUST DWARA NIR-LEP ANAND** पिता- SHRI SHRI 108 SWAMI DARSHAN PURAN पता- द्वारा आवेदित ग्राम अमलीडीह प.ह.न. 00069 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-11-टिकरापारा स्थित भूमि खसरा नंबर 151/231 (0.0743) हेक्टेयर का सीमांकन न्यायालय नायब तहसीलदार 8**A** रायपुर के ज्ञा0/ रा0 प्र0 क्र. 202610114900099 रायपुर के आदेश **दिनांक 29/10/2026** के परिपालन में **दिनांक 12/11/2026** को 1 PM बजे पश्चात किया जाना है। अत: उक्त भूमि के सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो वह उक्त **दिनांक 12/11/2026** को पूर्वान्ह / अपरान्ह 1 PM समय तक पटवारी हल्का नंबर 00069 / राजस्व निरीक्षक रायपुर-11-टिकरापारा के स्थित कार्यालय में दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद के किसी दावा या आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा। अत: सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक: YASH VARHADPANDE
रायपुर-11-टिकरापारा

कार्यालय राजस्व निरीक्षक रायपुर-11-टिकरापारा, तहसील रायपुर जिला रायपुर
आम-सूचना

दिनांक 05/11/2026
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका **SHRI ANANDPUR TRUST DWARA NIR-LEP ANAND** पिता- **SHRI SHRI 108 SWAMI DARSHAN PURAN** पता- द्वारा आवेदित ग्राम अमलीडीह प.ह.न. **00069 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-11-टिकरापारा** स्थित भूमि खसरा नंबर 151/230 (0.0845) हेक्टेयर का सीमांकन न्यायालय नायब तहसीलदार 8**A** रायपुर के ज्ञा0/ रा0 प्र0 **क्र. 202610114900087** रायपुर के आदेश **दिनांक 23/10/2026** के परिपालन में **दिनांक 12/11/2026** को 1 PM बजे पश्चात किया जाना है। अत: उक्त भूमि के सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो वह उक्त **दिनांक 12/11/2026** को पूर्वान्ह/अपरान्ह 1 **PM समय तक पटवारी हल्का नंबर 00069** / राजस्व निरीक्षक रायपुर-11-टिकरापारा के स्थित कार्यालय में दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद के किसी दावा या आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा। अत: सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक: YASH VARHADPANDE
रायपुर-11-टिकरापारा

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./36837/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 06-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 21839
वार्ड का नाम-31 - नेताजी सुभाषचंद्र बोस वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- **31** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR328R00244** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SANTOSH KUMAR MISHRA** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O DEVI PRASAD MISHRA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **OKAR NATH MISHRA** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O LATE. SANTOSH KUMAR MISHRA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री खीर सागर नायक
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./36776/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 06-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36776
वार्ड का नाम- 56 - ले. अरविंद दीक्षित वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **56** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446I00287** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RAJENDRA KUMAR GONNADE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ANANT RAM GONNADE** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **VIDYA BAND AND VIKRANT KUMAR BAND** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHARAD KUMAR BAND** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
सुश्री रूचि शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./36782/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 06-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36782
वार्ड का नाम- 50 - पं. विद्याचरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446K00969** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MANJUSHA VINOD PATIL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **VINOD AMBADAS PATIL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **GAJENDRA SINGH RAJPUT** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RUDRA SHARAN SINGH RAJPUT** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
सुश्री रूचि शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./36847/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 06-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36847
वार्ड का नाम- 56 - ले. अरविंद दीक्षित वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 56 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446E00149** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GUNJAN AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ANOOP AGRAWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ASHOK KUMAR LEDWANI AND SONS HUF AND KAJAL LEDWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SW. CHETAN LEDWANI AND ASHOK LEDWANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
सुश्री रूचि शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय राजस्व निरीक्षक रायपुर-11-टिकरापारा, तहसील रायपुर जिला रायपुर
आम-सूचना

दिनांक 05/11/2026
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका **SHRI ANANDPUR TRUST DWARA R DAYANAND VAGARH** पिता- **SWAMI DARSHNPURAN ANAND JI MAHARAJ** पता द्वारा आवेदित ग्राम **अमलीडीह प.ह.न. 00069 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-11-टिकरापारा स्थित भूमि खसरा नंबर 36774** हेक्टेयर का सीमांकन न्यायालय नायब तहसीलदार 8**A** रायपुर के ज्ञा0/ रा0 प्र0 **क्र. 202610114900096** रायपुर के आदेश **दिनांक 29/10/2026** के परिपालन में **दिनांक 12/11/2026** को 1 PM बजे पश्चात किया जाना है। अत: उक्त भूमि के सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो वह उक्त **दिनांक 12/11/2026** को पूर्वान्ह/अपरान्ह 1 PM समय तक पटवारी हल्का नंबर 00069 / राजस्व निरीक्षक रायपुर-11-टिकरापारा के स्थित कार्यालय में दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद के किसी दावा या आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा। अत: सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक: YASH VARHADPANDE
रायपुर-11-टिकरापारा

कार्यालय राजस्व निरीक्षक रायपुर-11-टिकरापारा, तहसील रायपुर जिला रायपुर
आम-सूचना

दिनांक 05/11/2026
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका **SHRI ANANDPUR TRUST DWARA NIR-LEP ANAND** पिता- **SHRI SHRI** 108 **SWAMI DARSHAN PURAN** पता- द्वारा आवेदित ग्राम अमलीडीह प.ह.न. 00069 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-11-टिकरापारा स्थित भूमि खसरा नंबर 151/229 (0.1144) हेक्टेयर का सीमांकन न्यायालय नायब तहसीलदार 8**A** रायपुर के ज्ञा0/ रा0 प्र0 क्र. 202610114900097 रायपुर के आदेश दिनांक 29/10/2026 के परिपालन में दिनांक 19/11/2026 को 1 PM बजे पश्चात किया जाना है। अत: उक्त भूमि के सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो वह उक्त **दिनांक 19/11/2026** को पूर्वान्ह अपरान्ह 1 PM समय तक पटवारी हल्का नंबर 00069 / राजस्व निरीक्षक रायपुर-11-टिकरापारा के स्थित कार्यालय में दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद के किसी दावा या आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा। अत: सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक: YASH VARHADPANDE
रायपुर-11-टिकरापारा

कार्यालय राजस्व निरीक्षक रायपुर-11-टिकरापारा, तहसील रायपुर जिला रायपुर
आम-सूचना

दिनांक 05/11/2026
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका **SHRI ANANDPUR TRUST DWARA NIR-LEP ANAND** पिता- **SHRI SHRI 108 SWAMI DARSHAN PURAN** पता- द्वारा आवेदित ग्राम अमलीडीह प.ह.न. **00069 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-11-टिकरापारा** स्थित भूमि खसरा नंबर 151/230 (0.0845) हेक्टेयर का सीमांकन न्यायालय नायब तहसीलदार 8**A** रायपुर के ज्ञा0/ रा0 प्र0 **क्र. 202610114900087** रायपुर के आदेश **दिनांक 23/10/2026** के परिपालन में **दिनांक 12/11/2026** को 1 PM बजे पश्चात किया जाना है। अत: उक्त भूमि के सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो वह उक्त **दिनांक 12/11/2026** को पूर्वान्ह/अपरान्ह 1 **PM समय तक पटवारी हल्का नंबर 00069** / राजस्व निरीक्षक रायपुर-11-टिकरापारा के स्थित कार्यालय में दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद के किसी दावा या आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा। अत: सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक: YASH VARHADPANDE
रायपुर-11-टिकरापारा

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./ 36774/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 06-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36774
वार्ड का नाम-3 संत कबीर दास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **3** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR104N0035G** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MADHUBALA SINGH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O SHESHNATH SINGH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **BANDANA YADAV** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O RAHUL YADAV** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
**जोन क्रमां

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर, शनिवार 07 नवंबर 2026

संक्षिप्त समाचार



शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में भूमि पूजन के साथ विकास कार्य का शुभारंभ

भटगांव। नगर पंचायत भटगांव के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 02 अतिरिक्त कक्ष एवं अहाता निर्माण कार्य का भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। भूमि पूजन नगर पंचायत अध्यक्ष विक्रम कुर्रे एवं उपाध्यक्ष प्रदीप देवांगन के कर कमलों से विधि-विधान के साथ किया गया। इस अवसर पर पार्षद राम कुमार सिदार, पार्षद महादेवा यादव, पार्षद प्रतिनिधि गणेश यादव, प्रज्ञा इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर व पत्रकार के.पी. पटेल, पत्रकार संदीप पटेल शाला विकास समिति के अध्यक्ष राकेश पटेल प्राचार्य निरुपमा केशरवानी सहित विद्यालय के समस्त स्टाफ उपस्थित रहे। विद्यालय में अतिरिक्त कक्ष बनने से छात्राओं को बेहतर सुविधा मिलेगी।

दीपावली पर्व के मद्देनजर एक सप्ताह तक भारी वाहनों की नगर के भीतर नो इंट्र

कोरबा। दीपावली पर्व के मद्देनजर कटघोरा नगर क्षेत्र में भारी वाहनों के आवागमन पर एक सप्ताह के लिए पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं दंडाधिकारी कटघोरा ने थाना प्रभारी कटघोरा के प्रतिवेदन के आधार पर यह आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार 2 नवंबर 2026 से 9 नवंबर 2026 तक कटघोरा नगर क्षेत्र में भारी वाहनों के प्रवेश एवं आवागमन को पूर्णत: प्रतिबंधित किया गया है। इस दौरान भारी वाहनों के आवागमन के लिए कटघोरा बायपास मार्ग से होकर जाने की व्यवस्था की गई है।

प्रशासन ने आदेश में बताया है कि दीपावली पर्व के दौरान नगर क्षेत्र में आम नागरिकों और श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ने से भारी वाहनों के आवागमन के कारण यातायात व्यवस्था बाधित होने, सड़क पर जाम लगने तथा सड़क दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। जनसुरक्षा एवं सुगम यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। कटघोरा एसडीओपी विजय सिंह राजपूत ने बताया कि यह आदेश तत्काल प्रभावशील है। आदेश की प्रतिलिपि पुलिस अधीक्षक कोरबा, अपर कलेक्टर कटघोरा, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कटघोरा, जिला परिवहन अधिकारी, तहसीलदार कटघोरा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी तथा थाना प्रभारी कटघोरा सहित संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजी गई है।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया की दमदार रफ्तार जारी -शेयर बाजार में लिस्टिंग के बाद वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में दर्ज की सबसे ज्यादा ग्रोथ

रायपुर - भारत के मशहूर कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड ने आज वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही के नतीजे घोषित किए हैं। कंपनी ने शेयर बाजार में लिस्ट होने के बाद, पिछले साल के मुकाबले अपनी सबसे ज्यादा ग्रोथ हासिल की है। यह लगातार दूसरी तिमाही है जब कंपनी ने डबल-डिजिट ग्रोथ दर्ज की है।

इन नतीजों पर बात करते हुए, एलजीई इंडिया लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री होंग जू जियोन ने कहा, हमें यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि हमने लगातार दूसरी तिमाही में शानदार नतीजे दिए हैं, जिससे हमारी पहली छमाही भी बहुत मजबूत रही है। यह प्रदर्शन भारत की कंज्यूमर ड्यूरेबल्स इंडस्ट्री की ताकत को दिखाता है। लोगों की बढ़ती आमदनी, प्रीमियम प्रोडक्ट्स की बढ़ती चाहत और शहरों से लेकर उभरते बाजारों तक पहुंच बढ़ने का फायदा इस इंडस्ट्री को मिल रहा है। एक लिस्टेड कंपनी के तौर पर एलजीई इंडिया का पहला साल पूरा हो रहा है, और यह प्रदर्शन हमारे शेयरधारकों के हम पर भरोसे और उनके लिए लंबे समय का फायदा बनाने के हमारे वादे को दिखाता है। कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स से आगे बढ़कर, हम तेजी से बदलते बी टू बी सेक्टर में भी अपने कदम बढ़ा रहे हैं और एक नए बी टू बी वर्टिकल, व्हीकल सॉल्यूशंस में एंट्री कर रहे हैं। हमारी तीन मुख्य रणनीतियां- मेक-इन-इंडिया, मेक-फॉर-इंडिया, और मेक-इंडिया-ग्लोबल- आगे भी घरेलू और एक्सपोर्ट बाजारों में हमारी ग्रोथ को रफ्तार देती रहेंगी। एलजीई इंडिया ने अपनी ग्रोथ की रफ्तार बरकरार रखते हुए वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में ऑपरेशंस से 73.80 अरब रुपये की शानदार आमदनी की है, जो पिछले साल इसी समय के 61.74 अरब रुपये के मुकाबले 19.5 प्रतिशत ज्यादा है। एबिटा 28.0 प्रतिशत बढ़कर 7.01 अरब रुपये हो गया है और इसका मार्जिन 63 बेसिस पॉइंट्स बढ़कर 9.5 प्रतिशत हो गया है। वहीं, टैक्स चुकाने के बाद का मुनाफा 25.7 प्रतिशत बढ़कर 4.89 अरब रुपये तक पहुंच गया है। कंपनी ने यह मुनाफा तब हासिल किया है जब कच्चे माल की कीमतें ज्यादा थीं, रुपये की कीमत में गिरावट आई थी और आने वाले त्योहारी सीजन की मांग को पूरा करने के लिए बाजार में निवेश किया गया था।

हिमालया बेबीकेयर ने पेश किया पहले विंटर का पहला लेयर

रायपुर : माता-पिता के लिए, शिशु की पहली सर्दी अपने साथ रोज़मर्रा के कई नए फैसले लेकर आती है, जैसे कि सही स्किनकेयर उत्पादों का चुनाव करना, और यह समझना कि मौसम में बदलाव के साथ उनके शिशु की त्वचा को किस चीज़ की ज़रूरत है। यह समझते हुए कि देखने में सरल लगने वाले ये विकल्प नए माता-पिता की उलझन बढ़ा सकते हैं, डॉक्टरों द्वारा सर्वाधिक अनुशंसित नंबर वन ब्रांड, हिमालया बेबीकेयर ने अपना नया विंटर कैंपेन पहले विंटर का पहला लेयर पेश किया है। यह कैंपेन इस सरल विचार पर आधारित है कि शिशु की सर्दियों की देखभाल की शुरुआत, सही देखभाल की पहली परत (लेयर) से होनी चाहिए। यह कैंपेन सर्दियों में शिशुओं की त्वचा की देखभाल को लेकर माता-पिता के कुछ आम सवालों और चिंताओं को संबोधित करता है। इनमें उत्पादों से एलर्जी होने का डर, तेल का इस्तेमाल करने के बावजूद लोशन या क्रीम की ज़रूरत और शिशुओं की नाज़ुक त्वचा के लिए विशेष उत्पादों की आवश्यकता जैसे सवाल शामिल हैं। इस उलझन को बढ़ाने के बजाय, हिमालया बेबीकेयर बातचीत को सरल बनाना चाहता है। इसका उद्देश्य माता-पिता को यह समझने में मदद करना है कि उनके शिशु की सर्दियों की दिनचर्या में विशेष रूप से तैयार किए गए बेबी स्किनकेयर उत्पादों की क्या भूमिका होती है। इस विचार को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने के लिए कैंपेन में हिमालया बेबी लोशन और हिमालया बेबी क्रीम पर आधारित एक मुख्य फिल्म है और साथ में छह लघु फिल्में भी शामिल हैं,यह सर्दियों में शिशुओं की त्वचा की देखभाल से जुड़े माता-पिता के रोजमर्रा के सवालों पर केंद्रित हैं, जो अक्सर उनके मन में आते हैं। इन फिल्मों में रोज़मर्रा की देखभाल की स्थितियों का इस्तेमाल करके कुछ अहम मुद्दों पर बात की गई है—जैसे कि कोई उत्पाद कितना उपयुक्त है, तेल के साथ लोशन और क्रीम की क्या भूमिका है, और शिशु की नाज़ुक त्वचा के लिए खास तौर पर बनाए गए उत्पादों को चुनना क्यों ज़रूरी है। इन रोजमर्रा के पलों के ज़रिए, इस कैंपेन का उद्देश्य सर्दियों में स्किनकेयर को माता-पिता के लिए अधिक सहज और आसान बनाना है। कैंपेन का मुख्य संदेश, बेबी के पहले विंटर के लिए हिमालया बेबीकेयर का पहला लेयर है।

स्वास्तिक केसरी के कप्तानी में सरगुजा पहली बार जीता अंडर 14 प्लेट ग्रुप का फाइनल मुकाबला

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-बीसीसीआई द्वारा आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ के मार्गदर्शन में इंटर डिस्ट्रिक्ट प्लेट ग्रुप अंडर 14 का मैच पहली बार सरगुजा फाइनल जीत कर क्रिकेट प्रेमियों को दिवाली की तोहफा दिया है। कप्तान स्वास्तिक केसरी ने बताया कि हमने तीनों लीग में जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई ।सेमीफाइनल जीतकर फाइनल में जगह बनाए, और आज भिलाई सेक्टर 1 में कोरबा को हराकर फाइनल जीतकर सरगुजा को सिरमौर बनाया। फाइनल में कोरबा पहले बल्लेबाजी करती हुई 53 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। सरगुजा की ओर से नीलोत्पल तीन ओवर सात रन तीन विकेट, स्वास्तिक केसरी 5 ओवर 10 रन 3 विकेट, सनी ओझा पांच ओवर 18 रन एक विकेट, प्रिंस कुशवाहा तीन ओवर 18 रन एक विकेट प्राप्त किये। सरगुजा की ओर से बल्लेबाजी करते हुए गगन बोस 4 रन बनाकर रन आउट हो गए। चिराग राजवाड़े 38 रन बनाकर नावाद रहे वहीं कप्तान स्वास्तिक केसरी ने भी 11 रन बनाकर नावाद रहे। कप्तान ने जानकारी दी कि टीम रवाना होने से पूर्व हमारे कोच मुजाहिद, अलंकार तिवारी, आयुष सिंह, जॉनी भैया ने लगभग 10 सिलेक्शन मैच गांधी स्टेडियम में आयोजित कर हमारी कमियों को दूर किया। हमारे कोच फील्डिंग बैटिंग बॉलिंग अनुशासन सभी पहलुओं पर नजर रखते हुए आज यह परिणाम दिलाने में अहम



भूमिका निभाई हैं। टीम के सभी खिलाड़ियों ने जिम्मेदारी के साथ अपने अपने कर्तव्यों का खूब निरवहन किया। ओपनर बल्लेबाजों ने खूब रन बनाए। मिडिल ऑर्डर ने अपने धैर्य का परिचय दिया। गेंदबाजों ने भी अपनी कसी हुई गेंदबाजी के कारण विपक्षी टीम को रन बनाने से रोका। स्वास्तिक केसरी विश्रामपुर के मुख्य कोच अमित मित्तल के मार्गदर्शन में विगत 8 वर्षों से अभ्यास कर रहे हैं। कोच अमित मित्तल ने बताया कि टेस्ट मैचों में स्वास्तिक का प्रदर्शन और बेहतर होगा। सरगुजा क्रिकेट संघ में सूरजपुर जिले से तीन खिलाड़ियों का चयन हुआ। जिसमें कप्तान स्वास्तिक केसरी, तौसिक मानिकपुरी, वेदांता गुप्ता। स्वास्तिक केसरी पिछले वर्ष भी छत्तीसगढ़ स्टेट कैंप में शामिल थे। यह जानकारी जिला सूरजपुर डयूज़ बाल क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव राजेश जैन ने दिए। स्वास्तिक केसरी डी ए ए पब्लिक स्कूल बिश्रामपुर में कक्षा दसवीं के नियमित छात्र हैं। वे मुरारी लाल केसरी यशोदा केसरी के पौपुत्र व उग्रसेन केसरी पूनम केसरी के सुपुत्र, सौम्य केसरी के छोटे भाई है। स्वास्तिक नेबताया कि श्री पीके वैद्य सर का मार्गदर्शन और अनुशासन हमारे जीवन के प्रेरणा स्रोत हैं। इस जीत पर खिलाड़ियों को और कोच को सरगुजा क्रिकेट संघ के अध्यक्ष माननीय आदि बाबा सचिन विनीत विशाल जायसवाल जिला सूरजपुर न्यूज़ बाल क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष माननीय बिकी बाबा सचिव राजेश जैन , नगर पंचायत अध्यक्ष बिश्रामपुर राजेश यादव , ,शशि नानू, नगर पंचायत अध्यक्ष शिवनंदनपुर रितेश जायसवाल, डी ए वी पब्लिक स्कूल बिश्रामपुर के समस्त स्टाफधनवीर खेड़ा, काशी प्रसाद केसरी, उमेश केसरी संजय केसरी अशोक केसरी अंबिकेश्वर केसरी , राजेंद्र पासवान, रवि जायसवाल ,रामावतार गोयल, विकास तायल, पप्पी तायल, सुनील गर्ग, अशोक जिंदलप्रदीप त्रिपाठी, टीएन सिंह, राम किशुन सिंह, केसरी सर एवं सभी खेल प्रेमी व क्रिकेट खिलाड़ियों ने शुभकामनाएं दी। 11 फरवरी को सरगुजा क्रिकेट संघ की टीम टेस्ट मैच खेलने के लिए भिलाई सेक्टर 1 के लिए रवाना होगी।

63 से बढ़कर अब 136 प्रकार की जांच सुविधाएं, प्रतिमाह 20 हजार से अधिक जांच

अटल आरोग्य लैब जिला चिकित्सालय MCB की बड़ी उपलब्धि



चिरमिरी एमसीबी. जिला चिकित्सालय MCB में संचालित अटल आरोग्य लैब स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में निरंतर नए आयाम स्थापित कर रही है। पूर्व में जहां लैब में मात्र 63 प्रकार की जांचें उपलब्ध थीं, वहीं अब जांच सुविधाओं का विस्तार करते हुए कुल 136 प्रकार की लैब जांचें उपलब्ध कराई जा रही हैं। वर्तमान में अटल आरोग्य लैब के माध्यम से प्रतिमाह 20,000 से अधिक जांचें की जा रही हैं, जो अपने आप में जिला चिकित्सालय के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। यह उपलब्धि जिले के नागरिकों को बेहतर, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे तथा सिविल सर्जन-सह-अस्पताल अधीक्षक डॉ. अभय प्रताप सिंह तोमर के मार्गदर्शन एवं सतत प्रयासों से जिला चिकित्सालय में जांच सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। जांचों की संख्या 63 से बढ़कर 136 होने से मरीजों को अब अनेक महत्वपूर्ण जांचों की सुविधा जिला चिकित्सालय में ही उपलब्ध हो रही है। इससे मरीजों एवं उनके परिजनों को जांच के लिए अन्यत्र जाने की आवश्यकता कम हुई है तथा उनके समय और आर्थिक संसाधनों की बचत हो रही है। अटल आरोग्य लैब में आधुनिक जांच उपकरणों, उपलब्ध संसाधनों एवं स्वास्थ्यकर्मियों के समर्पित प्रयासों से प्रतिमाह 20 हजार से अधिक जांचों का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। यह जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था के प्रति आम नागरिकों के बढ़ते विश्वास को भी दर्शाता है। जिला चिकित्सालय MCB की यह उपलब्धि स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुदृढ़, गुणवत्तापूर्ण एवं जनहितकारी बनाने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है।63 से 136 प्रकार की जांच सुविधाओं तक का सफर और प्रतिमाह 20 हजार से अधिक जांचों का संचालन निश्चित रूप से स्वास्थ्यजिले के लिए गौरव एवं उपलब्धि का विषय है।

पटवारियों की हड़ताल से किसानों की बढ़ी परेशानी, पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने भाजपा सरकार को घेरा

- **धान खरीदी से पहले पंजीयन और गिरदावरी कार्य प्रभावित होने की आशंका, पटवारी संघ से बातचीत कर समाधान निकालने की मांग**



एमसीबी. प्रदेश में धान खरीदी का समय नजदीक आते ही पटवारियों की हड़ताल से किसानों की मुश्किलें बढ़ने लगी हैं। धान पंजीयन और गिरदावरी जैसे महत्वपूर्ण राजस्व कार्य प्रभावित होने की आशंका के बीच पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। गुलाब कमरो ने कहा कि एक ओर सरकार राज्योत्सव के माध्यम से विकास और खुशहाली का जश्न मना रही है, वहीं दूसरी ओर किसान धान पंजीयन, गिरदावरी और अन्य जरूरी राजस्व कार्यों के लिए परेशान हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में करीब 5 हजार पटवारियों को नोटिस जारी करना और 50 से अधिक पटवारियों को निलंबित करना समस्या का समाधान नहीं है।

सरकार को दमनात्मक कार्रवाई के बजाय पटवारी संघ के प्रतिनिधियों से बातचीत कर उनकी जायज मांगों का निराकरण करना चाहिए। कमरो ने कहा कि धान खरीदी के महत्वपूर्ण समय में किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सरकार को तत्काल पहल कर हड़ताल समाप्त कराने और राजस्व कार्य सुचारू रूप से संचालित करने की दिशा में कदम उठाने चाहिए।

भिलाई ओपन स्टेट चैंपियनशिप में बलौदाबाजार के खिलाड़ियों का जलवा



सक्ति. खेल के क्षेत्र में बलौदाबाजार जिले के खिलाड़ियों ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया है। बीते 1 नवंबर को चरोदा, भिलाई में आयोजित द्वितीय भिलाई ओपन स्टेट चैंपियनशिप-2026 में जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक सहित कुल सात पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता के अंडर-14 वर्ग में बलौदाबाजार जिले के 13 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। इनमें खिलाड़ियों ने दो स्वर्ण, एक रजत और चार कांस्य पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। प्रतियोगिता में कुंजल साहू और हिमांशु मनहरे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। वहीं मयंक सिंह बंजारे ने रजत पदक जीतकर जिले को गौरवान्वित किया। इसके अलावा नव्या बेजौरा, धावी बेजौरा, प्रणीते चतुर्वेदी और नव्या देवांगन ने कांस्य पदक जीतकर जिले की पदक तालिका में इजाफा किया। इस उपलब्धि के पीछे जिला खेल अधिकारी प्रीति बंछोर के मार्गदर्शन तथा प्रशिक्षक डी. रमेश और किरन साहू के विशेष प्रशिक्षण एवं मेहनत की महत्वपूर्ण भूमिका रही। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता के लिए नियमित अभ्यास किया और राज्य स्तरीय मंच पर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

महाराजा अग्रसेन राष्ट्रीय अवार्ड से राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान के लिए विजयराज अग्रवाल शयन

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-क्षेत्र के लोक प्रिय समाज सेवी विजयराज अग्रवाल को उनके उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों, मानव कल्याण और समाज सेवा के क्षेत्र में उललेखनीय योगदान के लिये इस वर्ष के प्रतिष्ठित महाराजा अग्रसेन ग्लोबल आइकॉन अवार्ड 2026 के लिये चुना गया है।

जानकारी के अनुसार अरिवल भारतीय अग्रवाल संगठन द्वारा उनके नाम की आधिकारिक घोषणा किये जाने के बाद से पूरे समाज और शुभचिंतकों में खुशी का माहौल है। यह गौरवशाली पुरुस्कार आगामी 14 नवंबर 2026 को अंम्बेडकर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर जनपथ नई दिल्ली में आयोजित होने वाले एक भव्य राष्ट्रीय समारोह में प्रदान किया जायेगा। विजयराज अग्रवाल लंबे समय तक समाज के वंचित वर्गों के उत्थान, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के लिये निरंतर सक्रिय रहे है। उनके इसी सेवा भाव को देखते हुए संगठन की उच्च स्तरीय समिति ने सर्वसम्मति से उन्हें इस सम्मान के लिये चुना है। इस बड़ी उपलब्धि पर अखिल भारतीय संगठन के पदाधिकारियों सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रमुखों ने विजयराज अग्रवाल को हार्दिक बधाई और शुभकामनायें प्रेषित की है। महाराजा



अग्रसेन ग्लोबल आइकॉन अवार्ड एक प्रतिष्ठित सम्मान है। यह पुरुस्कार असाधारण व्यक्तियों को और संस्थाओं को दिया जाता है जिन्होने सामाजिक सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य, मानव कल्याण, आर्थिक सशक्तिकरण और संबंधित क्षेत्रों में असाधारण व उल्लेखनीय योगदान के लिये दिया जाता है। विजयराज अग्रवाल को यह पुरुस्कार अपने असाधारण कृतित्व व समाज सेवा में उल्लेखनीय योगदान के लिये प्रदान किया जा रहा है। विजयराज अग्रवाल द्वारा वर्ष 1995 में आवासीय श्रमवण्बाधित विद्यालय, वर्ष 2002 में कन्या स्नात्तक महाविद्यालय, वर्ष 2014 में वीणा मेमोरियल कालेज ऑफ नर्सिंग एवं 2023 में वीणा मेमोरियल कालेज ऑफ फार्मेसी की शुरुआत की। वर्ष 2016 से दिव्यांगजनों को पड़ाने के लिये विशेष शिक्षक तैयार करने के लिये डी.एड एवं बी.एड. स्पेशल कालेज प्रारंभ किया है। विजयराज अग्रवाल के द्वारा बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओं एवं बाल विवाह हटाओ अभियान एवं विधवा, परित्यकता, तलाकशुदा, विधुर एवं निराश्रित महिलाओं के लिये भी निरंतर कार्य किया है। विजयराज अग्रवाल जो कि राज्य स्तर पर भगवान अग्रसेन प्रतिमा आयोग के प्रदेश संयोजक है और भारतीय रेडक्रास सोसायटी के प्रबंध समिति के सदस्य होने के साथ-साथ संस्था सरगुजा ज्ञानोदय एसोसिएशन के संस्थापक एवं वर्तमान अध्यक्ष भी है। समाज के प्रबुद्धजनों का कहना है कि यह पुरुस्कार न केवल विजयराज अग्रवाल के व्यक्तिगत समर्पण का सम्मान है, ब्लकि यह पूरे समाज के लिये अत्यंत गौरव का क्षण है। अपनी इस घोषणा पर आभार व्यक्त करते हुए विजयराज अग्रवाल ने कहा कि महाराजा अग्रसेन जी के सिद्धांतों और आदर्शों पर चलना ही उनको जीवन का मुख्य ध्येय रहा है। यह सम्मान उनके सेवा संकल्प को और अधिक सुदृढ़ तथा व्यापक बनाने की प्रेरणा देगा।

आस-पड़ोस युवा संसद में विद्यार्थियों ने ली नशामुक्ति की शपथ

नशामुक्त युवा ही विकसित भारत की मजबूत नींव

भटगांव. मेरा युवा भारत के तत्वावधान में नशामुक्त युवा विषय पर ब्लॉक स्तरीय आस-पड़ोस युवा संसद का आयोजन शासकीय आईटीआई भटगांव में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे की बुराइयों से दूर रहने के लिए जागरूक करना, उन्हें सशक्त एवं जिम्मेदार नागरिक बनाना तथा विकसित भारत @ 2047 के संकल्प में युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। इस अवसर पर बिर्रा महाविद्यालय से प्रोफेसर अनंत एवं प्रोफेसर कमल किशोर जांगड़े, भटगांव अस्पताल से डॉक्टर तरुण एवं टंडन सर, विशिष्ट अतिथि के रूप में



शासकीय कन्या विद्यालय के शिक्षक राकेश जांगड़े तथा प्रज्ञा इंस्टिट्यूट के डायरेक्टर एवं पत्रकार के.पी. पटेल उपस्थित रहे। साथ ही शासकीय आईटीआई के प्राचार्य हिन्द खूँटे सर, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी शामिल हुए। कार्यक्रम में उपस्थित रिसोर्स पर्सन्स ने नशे के दुष्परिणामों, स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव, पारिवारिक एवं सामाजिक समस्याओं तथा युवाओं के भविष्य पर इसके नकारात्मक असर के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रोफेसर अनंत ने हास्य-व्यंग्य के माध्यम से अपनी बात रखते हुए विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने का प्रेरणादायक संदेश दिया। वहीं प्रोफेसर कमल किशोर जांगड़े ने अपनी दादी से जुड़ा एक प्रेरक प्रसंग साझा करते हुए जीवन में अच्छे संस्कारों और नशामुक्त रहने के महत्व को समझाया। आईटीआई के प्राचार्य हिन्द खूँटे सर ने भी बेहद प्रभावशाली एवं मनमोहक अंदाज में अपने विचार प्रस्तुत किए और विद्यार्थियों को जीवन में अनुशासन, सकारात्मक सोच तथा अच्छे लक्ष्य अपनाने के लिए प्रेरित किया। अन्य अतिथियों ने भी युवाओं को नशे से दूर रहकर शिक्षा, कौशल और राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान युवाओं को नशामुक्त समाज के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से अरुणाचल प्रदेश से संबंधित एक प्रेरणादायक वीडियो का प्रदर्शन भी किया गया।

नशामुक्त बनाने की शपथ ली

कार्यक्रम के दौरान सभी विद्यार्थियों एवं उपस्थित लोगों ने स्वयं नशे से दूर रहने तथा समाज को भी नशामुक्त बनाने में सहयोग करने की शपथ ली। इसके साथ ही आयोजित गतिविधि एवं प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लेने वाले प्रतिभागियों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों का उत्साह एवं मनोबल देखते ही बन रहा था। सभी ने अतिथियों के विचारों को ध्यानपूर्वक सुना और नशामुक्त समाज बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम ने युवाओं में जागरूकता, आत्मविश्वास और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, शनिवार 07 नवंबर 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

बचाव में खड़ा होना अजीबो गरीब.....

दवाओं की अधिक कीमत वसूलने के मामले में केंद्र का प्राइवेट अस्पतालों के बचाव में खड़ा होना अजीबोगरीब है। केंद्र ने कहा कि अस्पतालों पर खर्च का बड़ा बोझ है, इसलिए वे अधिक दाम वसूलते हैँ। दवाओं की एमआरपी से कई गुना ज्यादा कीमत वसूलने के निजी अस्पतालों में जारी चलन को सुप्रीम कोर्ट ने 'डकैती' बताया। कहा- 'सरकार इसे चलने दे रही है। सब कुछ सरकार की आंखों के सामने घट रहा है।' न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की बेंच ने यह महत्त्वपूर्ण टिप्पणी भी कि ऐसा लगता है, राष्ट्रीय औषधि मूल्य-निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) पूरी तरह निष्क्रिय हो चुका है। एनपीपीए पर ही जरूरी औषधियों के मूल्य निर्धारण की जिम्मेदारी है। यह दूसरा मौका है, जब सर्वोच्च न्यायालय ने इस मुद्दे पर सख्त बातें कही हैं। इस बार की सुनवाई में फिर यह उदाहरण सामने आया कि कीमोथेरेपी में इस्तेमाल होने की एक दवा, जिसकी एमआरपी तकरीबन 11 हजार रुपये है, उसके लिए एक निजी अस्पताल ने एक लाख 30 हजार रुपये का बिल मरीज को थमाया। ऐसे में न्यायालय के इस सवाल के औचित्य को आसानी से समझा जा सकता है कि 'क्या यह सब बेलगाम चलने दिया जाना चाहिए?' केंद्र का प्राइवेट अस्पतालों के बचाव में खड़ा होना इस मामले का एक और आंख खोल देने वाला पहलू है। केंद्र ने दलील दी कि अस्पतालों के ऊपर खर्च का बड़ा बोझ है, इसलिए वे दवाओं की अधिक कीमत वसूलते हैँ। अतिरिक्त सोलिसीटर जनरल ऐश्वर्य भाटी ने यह भी कहा कि केंद्र की नीति चिकित्सा के सारे इकॉ-सिस्टम (परिदृश्य) को नियंत्रित ना करने की है। निजी अस्पतालों के इस सरासर अनुचित व्यवहार के पक्ष में सरकार ने यह तर्क भी दिया कि 'भारत में दवाओं की कीमत दुनिया में सबसे कम है।' जजों ने उचित ही इसका यह प्रतिवाद किया कि भारत की प्रति व्यक्ति आय भी दुनिया में ज्यादातर देशों से कम है। बहरहाल, केंद्र से यह जरूर पूछा जाना चाहिए कि वह मरीजों और आम जन की नुमाइंदगी करता है, या बड़ी पूंजी वाले समूहों की, अथवा वह विभिन्न वर्गों के हितों के बीच तालमेल बनाना अपनी जिम्मेदारी समझता है? उसने कोर्ट में जो दलीलें दी, उससे यह नहीं लगता कि आम जन के हितों की उसे कोई परवाह है। इसीलिए इस मुद्दे पर व्यापक सार्वजनिक चर्चा की जरूरत है।

भगवान महावीर का जिओ और जीने दो का अहिंसा संदेश आज भी प्रासंगिक.....

विजय कुमार जैन राघौगढ म.प्र.

अहिंसा के अवतार युगदृष्टा भगवान महावीर का 2553 वां निर्वाणोत्सव कार्तिक कृष्णा अमावस्या दिनांक 9 नवम्बर 2026 सोमवार को मना रहे हैं।



भगवान महावीर एक युग पुरुष, वे मानव नहीं एक महामानव थे। वे जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर थे। क्षत्रिय राज कुमार होने के बावजूद भी उन्होंने कभी विश्व विजय का सपना नहीं देखा।

राजमहलों के वैभव को छोड़कर 30 वर्ष की आयु में वैराग्य का मार्ग चुना। 12 वर्षों की कठोर तपस्या केवल्य ज्ञान में परिणत हुई। लगातार 30 वर्ष तक धर्म देशना देते हुए 72 वर्ष की आयु में आज ही के दिन कार्तिक कृष्णा अमावस्या के शुभ दिन मोक्ष पद प्राप्त किया।उनका संपूर्ण दर्शन स्व पर शासन करना सिखाता है,पर पर नहीं।जिस समय भगवान महावीर का अवतरण हुआ, दुनिया में हिंसा और अत्याचार का बोल बाला था। महाबीर ने विषम परिस्थिति में सच्चा मार्ग दुनिया को दिखलाया। आपने प्राणीमात्र के सुख के लियेजिओ और जीने दो का अमूल्य मंत्र दिया। वर्तमान में भगवान महावीर के निर्वाणोत्सव के अवसर हम पीछे मुड़कर देखे तो कोरोना जैसी महामारी की वापसी पुन: न हो सतर्कता से दुनिया के लगभग सभी देशों में स्वस्थ्य रहने मांसाहार त्याग कर शाकाहार को स्वीकार किया जा रहा है। जिस समय भगवान महावीर का अवतरण हुआ दुनिया में हिंसा और अत्याचार का बोलबाला था भगवान महावीर ने विषम परिस्थिति में सच्चा मार्ग दुनिया को दिखलाया अपने प्राणी मात्र के लिए जियो और जीने दो का अमूल मंत्र दिया, उन्होंने कहा था:-

सब्बे जीवा वि इच्छंति जीविउं न मरिज्जिउं

अर्थात सभी जीव जीना चाहते हैं,मरना कोई नहीं चाहता।उनके तीन सूत्र आज भी विश्व शांति की कुंजी हैं :-

1अहिंसा परमो धर्म: महावीर की अहिंसा केवल जीव हिंसा तक सीमित नहीं है। मन, वचन,कर्म से किसी को भी कष्ट न पहुंचाना अहिंसा है। आज जब पर्यावरण संकट, युद्ध और हिंसा चरम पर है महावीर ने कहा जियो और जीने दो। प्रत्येक प्राणी में आत्मा है उसे जीने का अधिकार है।

2.अपरिग्रह आज की सबसे बड़ी समस्या उपभोक्ता बाद है। अधिक से अधिक संग्रह करने की दौड़ ने मनुष्य को अशांत कर दिया है।महावीर ने ढाई हजार वर्ष पूर्व कहा था मूर्छा ही परिग्रह है। आवश्यकता से अधिक संग्रह मत करो। अपरिग्रह ही पर्यावरण संरक्षण का मूल मंत्र है।

3.अनेकांत और स्यादवाद यह महावीर का विश्व को सबसे बड़ा दार्शनिक उपहार है। सत्य के कई पहलु हो सकते हैं। अपने विचार को ही अंतिम सत्य मान लेना ही सभी झगड़ों की जड़ है।अनेकांतवाद हमें सिखाता है दूसरे के दृष्टिकोण का भी सम्मान करो। यदि आज परिवार, समाज और राष्ट्र अनेकांत को अपना ले तो अधिकांश विवाद स्वत: समाप्त हो जाएंगे। विश्व प्रेम ही भगवान महावीर का दिव्य संदेश है। भगवान महावीर के इसी सिद्धांत को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने अपने जीवन का मूलमंत्र माना था। हमारे भारत की यह नीति है किसी दूसरे देश की भूमि मत हड़पो। सन 1971 में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान युद्ध में पश्चिमी पाकिस्तान जीतकर उस पर कब्जा न कर स्वतंत्र बंगलादेश बनाया।

भगवान महावीर का मंगल उपदेश था, पाप से घ्रणा करो, न कि पापी से। उन्होंने विरोधी को कभी विरोध से नहीं वरन सद्भावना एवं शांति से जीता। भगवान महावीर ने दुनिया को अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह का पावन संदेश दिया, इस मार्ग पर चलकर उन्होंने सांसारिक बंधनों से मुक्त होकर मोक्ष प्राप्त किया। उन्होंने अपना कल्याण किया एवं मोक्ष मार्ग बताया। भगवान महावीर ने कहा-आत्मा के चार बड़े शत्रु हैं काम, क्रोध,लोभ और मोह। इनके चक्कर में पड़ा हुआ व्यक्ति जीवन में कभी अच्छे कार्य नहीं कर पाता। स्व कल्याण के लिये इन पर विजय प्राप्त करना बहुत आवश्यक है। विश्व वंदनीय भगवान महावीर के जीवन एवं दर्शन का गहराई से अध्ययन



करते हैं तो हम पाते हैं, वे किसी एक जाति या सम्प्रदाय के न होकर सम्पूर्ण मानव समाज की अमूल्य धरोहर हैं। वह सबके थे और सब उनके थे। वह स्वयं क्षत्रिय कुल में उत्पन्न हुए थे, उनके मुख्य गणधर इन्द्रभूति गौतम ब्राह्मण थे तथा उनकी धर्मसभा (समवशरण) में सभी धर्मों और जातियों के लोग उनकी दिव्य देशना, मंगल उपदेश सुनने के लिये आते थे। उन्हें केवल जैनों या जैन मंदिरों तक सीमित रखना उनके उद्दात एवं विराट व्यक्तित्व के प्रति अन्याय है वह जैन नहीं जिन थे। इन्द्रिय जन्य वासनाओं और मनोजन्य कषायों को जीत लेते हैं,वे कहलाते हैं जिन। किसी का भी कल्याण जैन बनकर नहीं, जिन बनकर ही हो सकता है। भगवान महावीर ने कहा है त्याग व तपस्या से जीवन महान बनता है। श्रावकों को अपने आचरण में अहिंसा तथा जीवन में अपरिग्रह रखना चाहिए। युग दृष्टा, अहिंसा, करुणा, परोपकार की पावन प्रेरणा देने वाले भगवान महावीर के 2553 वे निर्वाणोत्सव के पुनीत अवसर पर हमे चिंतन करने की आवश्यकता है। वर्तमान में चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध,मध्य पूर्व में चल? रहे भयाभय युद्ध,विश्व में बढ़ रहे अलगाववाद, आतंकवाद, सम्प्रदायवाद, हिंसा की निरंतर बढ़ती प्रवृत्ति, अमेरिका के राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड ट्रम्प की एकाधिकार नीति से पूरी दुनिया पर निरंकुश भावना पर अंकुश लगाने भगवान महावीर के सिद्धांत प्रासंगिक हैं। महावीर के सिद्धांत प्राणीमात्र के लिए हितकारी हैं।आज हम त्याग, सेवा, परोपकार के मार्ग पर चलने के बजाय अपने-अपने स्वार्थों को पूरा करने में लिप्त हो गये हैं। वर्तमान में नई पीढ़ी को अच्छे संस्कार देने के स्थान पर उन्हें गुमराह किया जा रहा है, नई पीढ़ी भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों से विमुख होकर पाश्चात्य संस्कृति का अनुकरण कर रही है। समाज का नेतृत्व करने बाले ही पतन के मार्ग चलने लगे तो नई पीढ़ी को कैसे आदर्श मिलेगा। क्रांतिकारी जैन संत समाधिस्थ मुनि तरुण सागर जी महाराज ने कड़वे प्रवचन करते हुए कहा था भगवान महावीर को जैन मंदिर की चार दीवारी से बाहर निकाल कर नगर के मुख्य चौराहे पर लाना होगा, तभी जनमानस भगवान महावीर के जीवन दर्शन को समझ सकेगा।

दुनिया में सुख शांति की स्थापना करने के लिये हमें हर कीमत पर भगवान महावीर के बताये मार्ग पर चलना होगा। तभी भारत की प्राचीन संस्कृति और विरासत की रक्षा होगी। भारत ने कभी हिंसा में विश्वास नहीं किया। हमारा विश्वास भगवान महावीर के सिद्धांतों पर चलकर दूसरों की जान लेकर जीने में नहीं वरन अपनी जान की बाजी लगाकर दूसरों की रक्षा करने में है। भगवान महावीर द्वारा बताये मार्ग का अनुशरण करने में ही हम सबका कल्याण होगा। भगवान महावीर का जन्मोत्सव एवं निर्वाणोत्सव मनाकर हम आज औपचारिकता ही कर रहे हैं। आवश्यकता है उनके द्वारा बताये मार्ग पर चलने की। भगवान महावीर के उपदेश को जैन धर्म की मेरी भावना नामक सुप्रसिद्ध विनती की निम्न पंक्तियां सार्थक करती हैं:-

मैत्री भाव जगत में मेरा सब जीवों से नित्य रहे,
दीन दुखी जीवों पर मेरे उर से करुणा स्त्रोत वहें।

नोट:- लेखक राज्य स्तरीय स्थायी अधिमान्य स्वतंत्र पत्रकार एवं भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय संरक्षक है।

आलेख

दीवाली से पहले बजी महिलाओं के मोबाइल में खुशी की घंटी

धनंजय राठौर

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और उनकी आत्मनिर्भरता को सुनिश्चित करने की दिशा में चलाई जा रही महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना के तहत प्रदेश की माताओं-बहनों को दीवाली के पहले एक बड़ी सौगात मिली है। राज्योत्सव के समापन समारोह में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में महतारी वंदन योजना की 33वीं किस्त जारी की। इसके अंतर्गत प्रदेश की 67 लाख 40 हजार 410 पात्र महिलाओं के बैंक खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से कुल 632 करोड़ 63 लाख 67 हजार 750 रुपये की राशि अंतरित की गई।

67 लाख 33 हजार 502 महिला हितग्राहियों को लाभ

दीवाली से पहले महतारी वंदन योजना की 33 वीं किस्त जारी होने से महिलाओं और उनके परिवार में उत्साह का माहौल है। छत्तीसगढ़ शासन की इस निरंतर वित्तीय सहायता से प्रदेश की महिलाएं अपनी छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ परिवार की आर्थिक गतिविधियों में भी सक्रिय योगदान दे रही हैं। ई-केवाईसी पूर्ण करा चुकीं 67 लाख 33 हजार 502 महिला हितग्राहियों को लाभ मिला। इसके साथ ही नियद नेल्ला नार कैंप क्षेत्रों की 6,908 महिलाओं को भी योजना की 33वीं किस्त प्रदान की गई। महतारी वंदन योजना के माध्यम से पात्र विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। योजना का उद्देश्य महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत करना, परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति में उनकी सहभागिता बढ़ाना और उन्हें आर्थिक रूप से अधिक सक्षम बनाना है।

महतारी वंदन योजना की 33 वीं किस्त पात्र महिलाओं के बैंक खाते में अंतरित

ज्ञातव्य है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रदेश की विवाहित महिलाओं को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने के लिए 10 मार्च 2024 को महतारी वंदन योजना की शुरुआत की थी। इस योजना के अंतर्गत 67 लाख से अधिक महिलाओं के बैंक खाते में प्रतिमाह 1000 रुपए अंतरित किए जाते हैं। अब तक योजना की 33वीं किस्त के माध्यम से पात्र महिलाओं के बैंक खाते में 21 हजार 350.50 करोड़ रुपए अंतरित किए जा चुके हैं। महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि से महिलाएं न केवल परिवार की दैनिक जरूरतों को पूरा करने में सक्षम हुई हैं, बल्कि खास अवसरों और त्योहारों को भी धूमधाम से मनाने में भी सक्षम हुई हैं। महिलाओं के आर्थिक रूप से सक्षम होने पर व्यापारियों को भी लाभ हुआ है। महतारी वंदन योजना के शुरू होने से बाजारों में रौनक बढ़ी है। करवाचौथ से शुरू हुआ महिलाओं के द्वारा खरीदारी का दौर निरंतर जारी है। महिलाओं के आर्थिक रूप से सक्षम होने से परिवार के मुखिया पर आर्थिक बोझ कम हुआ है। इस कारण महिलाएं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का प्रति आभार व्यक्त कर रही हैं। जब शासन की सहायता सही व्यक्ति तक पहुंचती है, तो वह केवल आर्थिक सहयोग नहीं रहती, बल्कि वह किसी महिला के लिए आत्मविश्वास बनती है, किसी परिवार के लिए उम्मीद, किसी बेटी के लिए सुरक्षित भविष्य और किसी बच्चे के लिए स्वस्थ जीवन की शुरुआत होती है।

लेखक संयुक्त संचालक, जनसंपर्क रायपुर हैं

इस धनतेरस स्वास्थ्य में निवेश परिवार की सबसे बड़ी समृद्धि

श्री प्रतापराव जाधव

शुभं करोति कल्याणम् आरोग्यं धनसंपदा।

संस्कृत की प्रार्थना के ये परिचित शब्द हमारी परंपराओं में स्वास्थ्य, कल्याण और समृद्धि के गहरे संबंध को बड़ी सुंदरता से व्यक्त करते हैं। ये हमें याद दिलाते हैं कि सच्ची समृद्धि केवल भौतिक संपत्ति से नहीं, बल्कि हमारे अपनों के स्वास्थ्य और खुशहाली से भी मापी जाती है। हर वर्ष धनतेरस के आते ही हमारे घरों में दीपावली की तैयारियां शुरू हो जाती हैं। घरों की साफ-सफाई और सजावट होती है, बाजारों में उत्सव का उल्लास दिखाई देता है और लोग समृद्धि के प्रतीक के रूप में नई वस्तुएं खरीदते हैं। इन उत्सवों के बीच मेरे मन में अक्सर एक सरल-सा प्रश्न उठता है कि जब हम अपने परिवार के समृद्ध भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए इतनी तैयारियां करते हैं, तो उनके स्वास्थ्य की रक्षा पर कितना ध्यान देते हैं? हम भविष्य के लिए बचत करते हैं, अपनी संपत्ति का बीमा कराते हैं और आर्थिक निवेश की योजनाएं बनाते हैं। लेकिन जिन आदतों पर हमारे आने वाले वर्षों का स्वास्थ्य निर्भर करता है, उन पर अक्सर सबसे कम ध्यान दिया जाता है। समय पर भोजन न करना हमारी दिनचर्या का हिस्सा बन जाता है, पर्याप्त नींद न लेना व्यस्त जीवन की पहचान समझी जाने लगती है और स्वास्थ्य जांच तब तक टाल दी जाती है, जब तक कोई परेशानी गंभीर रूप नहीं ले लेती। धनतेरस हमें अपनी इन प्राथमिकताओं पर फिर से विचार करने का अवसर देता है। धनतेरस का आयुर्वेद के साथ विशेष संबंध है। यह पर्व भगवान धन्वंतरि के प्राकट्य से जुड़ा है, जिन्हें देवताओं के वैद्य और आयुर्वेद के आदि प्रवर्तक के रूप में पूजा जाता है। समुद्र मंथन के दौरान अमृत कलश लेकर उनका प्रकट होना स्वास्थ्य और दीर्घायु की मानवता की चिरकालिक आकांक्षा का प्रतीक है। यही संबंध धनतेरस को सोने, चांदी या घरेलू वस्तुओं की खरीदारी से कहीं अधिक व्यापक अर्थ प्रदान करता है। यह हमें याद दिलाता है कि समृद्धि का वास्तविक आनंद तभी है, जब हमारे पास उसे अनुभव करने और अपने प्रियजनों के साथ साझा करने के लिए अच्छा स्वास्थ्य हो। आयुष तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, दोनों मंत्रालयों की जिम्मेदारी निभाते हुए मैं अपने दैनिक जीवन में इस संदेश के महत्व को भली-भांति समझता हूं। स्वास्थ्य को लेकर हमारी बातचीत अक्सर तब शुरू होती है, जब बीमारी हमारे जीवन में दस्तक दे चुकी होती है। हम अस्पतालों, दवाओं और उपचार की चर्चा करते हैं, जो निस्संदेह आवश्यक हैं। लेकिन एक उतनी ही महत्वपूर्ण बातचीत इससे बहुत पहले शुरू होनी चाहिए, हमारे घरों, रसोईघरों, कार्यस्थलों और रोजमर्रा की दिनचर्या में। क्या हम उपचार को जितना महत्व देते हैं, उतना ही महत्व बीमारियों की रोकथाम को भी दे सकते हैं? यही प्रश्न आयुर्वेद की स्वास्थ्य संबंधी सोच के मूल में है। आयुर्वेद का सिद्धांत 'स्वस्थस्य स्वास्थ्य रक्षणम्', अर्थात स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा करना, आज की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए भी अत्यंत प्रासंगिक है। यह हमें बताता है कि हमारा स्वास्थ्य इस बात से प्रभावित होता है कि हम क्या खाते हैं, कितनी नींद लेते हैं, कितने शारीरिक रूप से सक्रिय रहते हैं और अपनी देखभाल कितनी नियमितता से करते हैं। आज जब गैर-संचारी रोग, निष्क्रिय जीवनशैली और तनाव स्वास्थ्य संबंधी बड़ी चुनौतियों के रूप में सामने आ रहे हैं, तब निवारक स्वास्थ्य सेवाओं पर अधिक ध्यान देना आवश्यक हो गया है। उदाहरण के लिए, परिवार के साथ किया जाने वाला एक साधारण भोजन भी स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने का अवसर हो सकता है। इसके माध्यम से हम बच्चों में पौष्टिक भोजन की आदत विकसित कर सकते हैं और परिवार के बुजुर्गों की पोषण संबंधी आवश्यकताओं का ध्यान रख सकते हैं। इसी प्रकार प्रतिदिन टहलना, नियमित योगाभ्यास करना या सोने और जागने का समय निश्चित रखना भले ही छोटे प्रयास लगें, लेकिन लंबे समय तक इनका पालन करने से स्वास्थ्य में सार्थक बदलाव आ सकता है। निवारक स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक शक्ति अक्सर ऐसे ही सरल और रोजमर्रा के निर्णयों में निहित होती है। भारत की आयुष चिकित्सा पद्धतियां स्वास्थ्य संरक्षण और समग्र कल्याण की इस संस्कृति को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) जैसी पहलों के माध्यम से सामुदायिक स्तर पर आयुष आधारित स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही, वैज्ञानिक अनुसंधान, गुणवत्ता मानकों और प्रमाण-आधारित चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा देना भी आवश्यक है, ताकि भारत का पारंपरिक चिकित्सा ज्ञान वर्तमान स्वास्थ्य सेवाओं में जिम्मेदारी और प्रभावी ढंग से योगदान दे सके। हालांकि, परिवारों और समुदायों की सक्रिय भागीदारी के बिना कोई भी स्वास्थ्य पहल पूरी तरह सफल नहीं हो सकती। एक स्वस्थ भारत का निर्माण केवल संस्थानों और स्वास्थ्य सुविधाओं के माध्यम से नहीं किया जा सकता। इसके लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी रोजमर्रा की आदतों और निर्णयों में स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी होगी। जब भारत वर्ष 2047 में अपनी स्वतंत्रता के सौ वर्ष पूरे करेगा, तब विकसित भारत की हमारी परिकल्पना में ऐसे नागरिक भी होने चाहिए, जो अधिक स्वस्थ, जागरूक और रोकी जा सकने वाली बीमारियों से स्वयं को सुरक्षित रखने में सक्षम हों। यहीं धनतेरस की भावना हमें एक सार्थक बदलाव के लिए प्रेरित कर सकती है। हम इस पर्व को अपने घर में कुछ नया लाने से जोड़कर देखते हैं। तो क्यों न इस वर्ष हम अपने घर एक नई अच्छी आदत भी लेकर आएं? यह आदत सोच-समझकर पौष्टिक भोजन करने की हो सकती है, नियमित योगाभ्यास की हो सकती है, पर्याप्त नींद लेने की हो सकती है या परिवार के किसी सदस्य को लंबे समय से टल रही स्वास्थ्य जांच कराने के लिए प्रेरित करने की हो सकती है।

अमरीका से व्यापार समझौते की उम्मीद

डा. जयंतीलाल भंडारी

भारत और अमरीका के बीच जारी द्विपक्षीय व्यापार समझौते की वार्ता के तहत भारत को सहयोग और व्यापारिक प्रतिस्पर्धा के बीच एक संतुलित और दृढ़ रुख अपनाना होगा। भारत को राष्ट्रीय हितों की रक्षा करनी होगी हाल ही में 21 अक्टूबर को अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि भारत और अमरीका एक नए व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के बेहद करीब हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने स्पष्ट किया कि दोनों देश समझौता करने के इच्छुक हैं और यह नया सौदा पिछले सभी द्विपक्षीय समझौतों से काफी अलग होगा। ट्रंप का यह बयान अमरीकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के हालिया भारत दौरे के दौरान आया। मार्को ने 20 से 22 अक्टूबर के बीच भारत दौरे के दौरान भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अन्य शीर्ष नेताओं के साथ व्यापार, ऊर्जा, तकनीक और रक्षा सहयोग के मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। रुबियो ने रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के जामनगर संयंत्र का दौरा किया और भारत की इस अनूठी रिफायनिंग क्षमता की सराहना की। रुबियो ने यह भी कहा कि भारत-अमरीकी व्यापार वार्ता अब अंतिम और तकनीकी स्तर पर पहुंच चुकी है। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ दशकों में वैश्विक भू-राजनीतिक और आर्थिक मानचित्र पर भारत और अमरीका के संबंध एक अत्यंत महत्वपूर्ण और रणनीतिक साझेदारी के रूप में उभरे थे, लेकिन वर्तमान परिदृश्य में ये संबंध अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नई आर्थिक नीतियों, संरक्षणवादी दृष्टिकोण और सख्त टैरिफ रणनीति के कारण एक चुनौतीपूर्ण और संवेदनशील मोड़ पर खड़े दिखाई दे रहे हैं। आज भारत के समक्ष एक तरफ अमरीकी बाजार में अपने मजबूत निर्यात को सुरक्षित रखने की चुनौती है, तो दूसरी तरफरूस से रियायती दरों पर अपनी ऊर्जा जरूरतों की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने का रणनीतिक संतुलन साधने का दबाव है। इस खींचतान के बीच हालिया अमरीकी नीतिगत फैसले, वीजा नियमों में अत्यधिक सख्ती, जेनेरिक दवाओं पर प्रस्तावित शुल्क की चुनौतियों के बावजूद अमरीका के राष्ट्रपति ट्रंप और विदेश मंत्री रुबियो की हालिया सकारात्मक टिप्पणियों से भारत और अमरीका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौता (बीटीए) एक नई पटकथा के साथ उभरते हुए दिखाई दे रहा है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि 1991 के आर्थिक उदारीकरण के बाद से लेकर



2016 तक भारत और अमरीका के बीच व्यापारिक और आर्थिक संबंधों में एक प्रभावी दौर देखने को मिला। वर्ष 2000 में दोनों देशों के बीच वस्तुओं एवं सेवाओं का द्विपक्षीय व्यापार लगभग 6 गुना बढ़कर अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान अमरीकी बाजार में भारतीय आईटी सेवाओं, फार्मास्युटिकल उत्पादों, कपड़ों और रत्नों की मांग में जबरदस्त इजाफा हुआ, जिससे भारत की आर्थिक साख वैश्विक स्तर पर स्थापित हुई। इस आर्थिक प्रगति को 2008 के ऐतिहासिक असैन्य परमाणु समझौते और 2016 में भारत को मिले मेजर डिफेंस पार्टनर के दर्जे से गहरा रणनीतिक बल मिला। रक्षा, व्यापार और प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण के नए द्वार खुलने के साथ-साथ भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी यानी आईटी कंपनियों जैसे टीसीएस, इन्फोसिस और विप्रो ने अमरीकी अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस दौरान एच-1बी वीजा नीति ने भारतीय कुशल पेशेवरों को अमरीका में कार्य करने और वैश्विक पहचान बनाने के पर्याप्त अवसर प्रदान किए। निवेश के दृष्टिकोण से भी यह दौर बेहद समृद्ध रहा, जहां 2000 से 2016 के बीच माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, जीई, आईबीएम और बोइंग जैसी शीर्ष अमरीकी कंपनियों ने भारत के तकनीक, इंफ्रास्ट्रक्चर, ऑटोमोबाइल और रक्षा क्षेत्रों में भारी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश यानी एफडीआई किया। साथ ही भारतीय कंपनियों ने भी अमरीकी बाजार में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। ट्रंप काल में शुरू हुई संरक्षणवादी नीतियों, टैरिफऔर वीजा पाबंदियों से ठीक पहले तक दोनों देशों के आर्थिक रिश्ते मुक्त और रणनीतिक सहयोग की मजबूत नींव पर लगातार आगे बढ़ते रहे। ऐसे में अब अमरीका से व्यापार समझौते की संभावनाओं का सुकूनदेह परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। हाल ही में 17 अक्टूबर को अमरीकी प्रशासन द्वारा लीडसे ग्राहम अधिनियम के तहत रूसी तेल खरीददारों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने के कठोर फैसले को 60 दिनों के लिए स्थगित करना भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ी राहत बनकर आया है। मध्य पूर्व के तनाव और यूक्रेन-रूस संघर्ष से उपजे ऊर्जा संकट के बीच अमरीकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारत की ऊर्जा जरूरतों और स्रोतों के विविधीकरण की सराहना की है। रूस से प्रतिस्पर्धी दरों पर कच्चा तेल खरीदने की इस छूट से भारत में ईंधन की लागत नियंत्रित रहेगी और घरेलू बाजार में महंगाई का दबाव कम होगा। इसके साथ ही इस फैसले ने टेक्सटाइल, लेदर, जेम्स एंड ज्वेलरी और इंजीनियरिंग सामान जैसे श्रम-गहन क्षेत्रों के भारतीय निर्यातकों तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को अल्पकालिक अनिश्चितता से बचाकर अंतरराष्ट्रीय ऑर्डरों का प्रवाह बनाए रखने में मदद की है।

दैनिक
विश्व परिवार

रायपुर/धर्म समाज/देश

रायपुर, शनिवार 07 नवम्बर 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

मुनि श्री मंगल सागर महाराज का पंचम दीक्षा दिवस श्रद्धा और भक्तिभाव से मनाया

■ नवागढ़ में धार्मिक आयोजन, दो श्रावकों ने ग्रहण किया प्रतिमा व्रत; संतों ने चरित्र को बताया मोक्षमार्ग का आधार



नवागढ़ (विश्व परिवार)। प्रागैतिहासिक अतिशय क्षेत्र नवागढ़ में आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के प्रभावक शिष्य मुनि श्री सरल सागर महाराज के शिष्य मुनि श्री मंगलानंद सागर महाराज एवं मुनि श्री मंगल सागर महाराज का चातुर्मास विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजनों के साथ श्रद्धापूर्वक संपन्न हो रहा है। इसी क्रम में मुनि श्री मंगल सागर महाराज का पंचम दीक्षा दिवस क्षेत्रीय जैन समाज के तत्वावधान में हर्षोल्लास एवं भक्तिभाव के साथ मनाया गया।

डॉ. सुनील 'संचय', प्रचारमंत्री ने बताया कि ब्रह्मचारी जयकुमार निशांत के निर्देशन में आयोजित समारोह में ब्रह्मचारी धीरज भैया राहतगढ़, संघस्थ ब्रह्मचारी राजेश भैया, डॉ. निलेश भैया, पं. मनीष जैन संजू, पं. विकास जैन एवं पं. सुरेन्द्र जी का सान्निध्य रहा। कार्यक्रम का मंगलाचरण नवागढ़ गुरुकुलम के बालकों कु रक्षा जैन एवं श्रीमती आशा जैन ने किया। विद्वानों एवं ब्रह्मचारियों ने चित्र का अनावरण किया तथा अहमदाबाद निवासी श्री गिरीश जैन ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

क्षेत्रीय जैन समाज, नवागढ़ समिति, नवागढ़ गुरुकुलम, चातुर्मास समिति एवं महिला मंडल ने ब्रह्मचारी धीरज भैया, मुनि श्री मंगल सागर महाराज के गृहस्थ माता-पिता श्रीमती पूनम जैन एवं श्री गिरीश जैन (अहमदाबाद), श्रीमती सविता जैन (मेरठ) सहित उपस्थित अतिथियों का भावभीना स्वागत किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने मुनि द्वय की संयम साधना एवं तपश्चर्या की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान पंचम काल में भी उनकी निष्पृह, आडंबररहित एवं लोकेषणा से दूर साधना अनुकरणीय है। वे प्रचार-प्रसार एवं मीडिया की चकाचौंध से दूर रहकर आत्मकल्याण और धर्मसाधना को सर्वोपरि रखते हैं। चातुर्मास के माध्यम से उन्होंने श्रावकों को धर्माचरण, आत्मचिंतन एवं आध्यात्मिक जीवन की प्रेरणा प्रदान की है।

दो श्रावकों ने ग्रहण किया प्रतिमा व्रत

समारोह का महत्वपूर्ण प्रसंग उस समय उपस्थित हुआ, जब घुवारा निवासी रविकुमार जी एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती वंदना जी ने पूज्य मुनि श्री के चरणों में दो प्रतिमा व्रत धारण करने का संकल्प लिया। नवागढ़ गुरुकुलम के विद्यार्थियों ने भी अपनी सामर्थ्य के अनुसार धार्मिक संकल्प ग्रहण किए। आचार्य श्री विद्यासागर महाराज की पूजन के साथ आचार्य श्री समयसागर महाराज, मुनि श्री सरल सागर महाराज एवं मुनि श्री मंगलानंद सागर महाराज के प्रति श्रद्धाभाव अर्पित किए गए। तत्पश्चात मुनि श्री मंगल सागर महाराज के चरणों में भक्तिपूर्वक पूजन एवं अर्घ्य समर्पित किए गए।

214 निर्वाचन साक्षरता क्लबों में निबंध प्रतियोगिताओं का भव्य आगाज

■ बस्तर में लोकतंत्र की पाठशाला



जगदलपुर (विश्व परिवार)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार बस्तर जिले में भावी और युवा मतदाताओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ने के लिए एक व्यापक जागरूकता अभियान शुरू किया गया है। जिले भर के शैक्षणिक संस्थानों में स्थापित 214 निर्वाचन साक्षरता क्लबों के माध्यम से निबंध और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को मतदान के महत्व, शुद्ध मतदाता सूची की भूमिका और पूरी चुनावी व्यवस्था के प्रति जागरूक बनाना है।

इस पहल के तहत प्रतियोगिताओं का आयोजन त्रि-स्तरीय प्रारूप में सुनिश्चित किया गया है। पहले चरण में 2 से 7 नवंबर के दौरान स्कूल और कॉलेज स्तर पर निर्वाचन साक्षरता क्लबों के समन्वयकों द्वारा प्रतियोगिताएं आयोजित कर प्रत्येक विधा से शीर्ष 2 विद्यार्थियों का चयन किया जा रहा है। इसके बाद 10 से 13 नवंबर के बीच निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय के निर्देशन में विधानसभा क्षेत्र स्तरीय प्रतियोगिताएं होंगी, जहाँ से प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से शीर्ष 10 प्रतिभागी अगले चरण के लिए चुने जाएंगे। अंततः 16 से 18 नवंबर के मध्य जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय फाइनल राउंड का आयोजन होगा, जिसके माध्यम से जिले के शीर्ष 10 विजेताओं का अंतिम रूप से चयन किया जाएगा।

विद्यार्थियों में बौद्धिक और व्यावहारिक समझ विकसित करने के उद्देश्य से विषयों का चयन भी बेहद विचारपूर्ण ढंग से किया गया है। निबंध लेखन के लिए 'शुद्ध मतदाता सूची का महत्व' और 'मतदान का महत्व' जैसे विषय रखे गए हैं, जिनके लिए स्कूल स्तर पर 500 से 800 शब्द तथा कॉलेज स्तर पर 800 से 1200 शब्दों की सीमा तय की गई है।

निगम की समझाइश, सड़क पर दुकान बढ़ाकर न लगाने की दी हिदायत



भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा दीपावली पर्व को देखते हुए शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए बाजारों एवं प्रमुख मार्गों पर दुकानदारों को समझाइश दी जा रही है। निगम की टीम द्वारा सड़क किनारे दुकान एवं पसरा लगाकर व्यापार करने वाले दुकानदारों को निर्देशित किया जा रहा है कि वे अपनी दुकानों का सामान सड़क तक फैलाकर न रखें और निर्धारित स्थान के भीतर ही व्यापार करें।

निगम द्वारा दुकानदारों को यह भी समझाइश दी जा रही है कि वे अपनी दुकान के सामने ग्राहकों को वाहन खड़ा करने से रोकें, ताकि सड़क पर आवागमन बाधित न हो। दुकानों के सामने एवं सड़क किनारे बेतरतीब ढंग से वाहन खड़े होने से यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है। इससे राहगीरों एवं वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है तथा दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। दीपावली पर्व के दौरान बाजारों में खरीदारी के लिए बड़ी संख्या में नागरिकों की आवाजाही होती है। ऐसे में सड़कों पर अतिक्रमण एवं अव्यवस्थित पार्किंग से जाम की स्थिति निर्मित हो सकती है। इसे ध्यान में रखते हुए निगम द्वारा व्यापारियों से सहयोग की अपील की जा रही है। निगम प्रशासन ने सभी दुकानदारों से अपील की है कि वे यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें, सड़क एवं फुटपाथ को आवागमन के लिए खाली रखें तथा अपनी दुकान की सीमा के भीतर ही व्यापार करें, जिससे दीपावली पर्व के दौरान नागरिकों को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

महावीर स्वामी शासन काल में राजा श्रेणिक अब तक के सबसे बड़े पत्रकार: आचार्य प्रज्ञा सागर जी

■ गोलोक धाम चाकसू में 29 नवंबर को होगा जैन विचारकों का महासम्मेलन



जयपुर (विश्व परिवार)। परम पूज्य आचार्य श्री प्रज्ञासागर जी महाराज ससंघ का चातुर्मास गोलोक धाम चाकसू,जयपुर में चल रहा है। चातुर्मास स्थापना से अब तक पूज्य आचार्य श्री के सानिध्य में कई ऐतिहासिक आयोजन संपन्न हो चुके हैं और अनवरत क्रम जारी है। 3 नवंबर 2026 को जैन समाज के वैचारिक राष्ट्रीय संगठन जैन महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश जैन तिजारिया के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल गोलोक धाम चाकसू गया वहां नव निर्मित गौशाला का अवलोकन किया, आचार्य श्री के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन ने अवगत कराया कि इस अवसर पर आचार्य श्री ने संबोधित करते हुए कहा कि भगवान महावीर स्वामी के शासनकाल में साठ हजार प्रश्न पूछने वाले राजा श्रैणिक अब तक के सबसे बड़े पत्रकार हुए हैं। जैन पत्रकारिता में सत्य, निष्पक्षता और धर्म प्रवर्तक विचारधारा की मजबूती हेतु श्री महावीर तपोभूमि परिवार उज्जैन द्वारा प्रदत्त राजा श्रेणिक जैन पत्रकारिता पुरस्कार 2026 दैनिक समाचार जगत के संपादक शैलेंद्र गोधा जयपुर को गोलोक धाम में जैन पत्रकार महासंघ के तत्वावधान में आयोजित पत्रकार महासम्मेलन 29 नवंबर को प्रदान किया जाएगा। गत वर्ष 2025 में दैनिक विश्व परिवार के संपादक प्रदीप जैन रायपुर, छत्तीसगढ़ को शिक्षा नगरी कोटा में यह पुरस्कार प्रदान किया गया था। इस क्रम में जैन पत्रकार महासंघ की कार्यकारिणी व विशेष आमंत्रित सदस्यों की मीटिंग भट्टारक जी की नसिया जयपुर में 5 नवंबर को वरिष्ठ पत्रकार बलवंत राज मेहता की अध्यक्षता में रखी गई, जिसमें निर्णय लिया गया कि उक्त पत्रकार सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में देश के पत्रकार,लेखक, विद्वान एकत्रित हों। उक्त महासम्मेलन में वैचारिक गोष्ठी भी आयोजित की गई है। कार्यक्रम को गति प्रदान करने के लिए राकेश जैन चपलमन कोटा मुख्य संयोजक, दीपक गोधा, मनोज जैन, सुरेंद्र कुमार बडजात्या जयपुर संयोजक मनोनीत किये गये हैं। कार्यक्रम के आयोजक चातुर्मास समिति के अध्यक्ष अनिल कुमार जैन बैनेठा वाले, महामंत्री पारस जैन बाकलीवाल निमोडिया वाले, राजीव जैन गाजियाबाद, प्रकाश बाकलीवाल, देवेंद्र बाकलीवाल जयपुर होंगे।

ट्रिपल इंजन की सरकार में ही तालाबंदी! जोन-8 अध्यक्ष ने खुद किया अपने ही जोन में ताला बंद

■ धरने पर बैठे सत्ताधारी पार्षद - नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने पूछा, निगम चला कौन रहा है? अधिकारी या महापौर?



रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर नगर निगम में आज एक अभूतपूर्व और शर्मनाक स्थिति देखने को मिली, जब जोन क्रमांक-8 के अध्यक्ष ने स्वयं अपने ही जोन कार्यालय में तालाबंदी कर धरना दे दिया। सत्ताधारी पार्टी के पार्षद, जिनकी सरकार पंच से लेकर प्रधानमंत्री तक है, आज अपने ही निगम में अपने ही कामों के लिए धरने पर बैठने को मजबूर हो गए।

इस पर रायपुर नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि इससे नगर निगम की कार्यप्रणाली को साफ समझा जा सकता है।

नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी कहा कि : क्या इसके पूर्व में रायपुर नगर निगम में कभी ऐसी स्थिति निर्मित हुई थी? आज जो दुर्गति नगर निगम की हो रही है, वो पहले कभी नहीं हुई। जब सत्ताधारी दल के पार्षदों का ही काम नगर निगम में नहीं हो पा रहा है, तो आप समझ सकते हैं कि नगर निगम में क्या हो रहा है। छोटे-छोटे कामों के लिए आज पार्षदों को जोन के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। ट्रिपल इंजन की सरकार की महापौर को खुद अपनी ही नगर निगम में सड़क, बिजली और सफाई जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए विशेष सामान्य सभा बुलानी पड़ रही है। जबकि सरकार उनकी खुद की है - शहर में भी, प्रदेश में भी और देश में भी। इसके बाद भी यदि महापौर को सभा बुलानी पड़े, तो समझ लीजिए नगर निगम की कार्यप्रणाली समझ से परे हो चुकी है।

सिंगल यूज प्लास्टिक को कहें ना थीम पर चलाया जागरूकता अभियान

■ रायपुर मंडल द्वारा दिनांक 01 नवम्बर से 07 नवम्बर 2026 तक ब्रिक्स सतत जीवनशैली सप्ताह में वेंडरों एवं यात्रियों को सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने और पर्यावरण अनुकूल विकल्प अपनाने के लिए जागरूकता

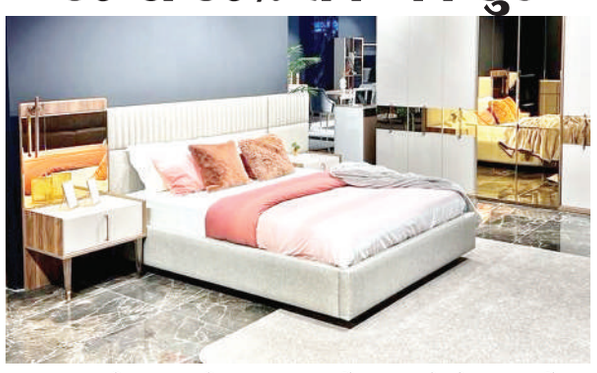


रायपुर (विश्व परिवार)। पर्यावरण संरक्षण एवं सतत जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारतीय रेलवे द्वारा 01 से 07 नवम्बर 2026 तक आयोजित 'ब्रिक्स सतत जीवनशैली सप्ताह' के अंतर्गत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल में 'मिशन लाइफ' के तहत विभिन्न जागरूकता एवं स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं।

इसी कड़ी में 05 नवम्बर को 'सिंगल यूज प्लास्टिक को कहें ना' थीम के अंतर्गत मंडल के सभी स्टेशनों पर विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सफाई मित्रों एवं रेलवे वेंडर्स की सहभागिता से स्टेशन परिसर में जन-जागरूकता रैली आयोजित की गई। यात्रियों को सिंगल यूज प्लास्टिक से होने वाले पर्यावरणीय दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए इसके उपयोग से बचने तथा प्लास्टिक के विकल्प के रूप में जूट एवं कपड़े से बने पुनः उपयोग योग्य बैग अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

इसके अलावा सभी प्रमुख स्टेशनों के उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से संदेश प्रसारित कर तथा पोस्टर एवं बैनर का प्रावधान कर एवं यात्रियों से संवाद कर सिंगल यूज़ प्लास्टिक का उपयोग बंद करने एवं स्वच्छ पर्यावरण बनाए रखने के लिए जागरूक किया गया।

बल्देव फर्नीचर में इस त्यौहार 30 से 50% तक की छूट



रायपुर (विश्व परिवार)। गुरुनानक चौक स्थित बलदेव फर्नीचर में इस त्योहारों के शुभ अवसरों पर विशेष ऑफर दिए जा रहे है। संस्था के संचालक लखविंदर सिंह ने बताया कि एक छत के नीचे सभी ब्रांडेड कंपनी नीलकमल,गोदरेज, इटालिका, ईजी, पूजा, अरोमा, मैक, आकाश के अलावा लग्ज़री फर्नीचर में बेडरूम सेट, सोफा सेट,डाइनिंग टेबल, एक्सक्लूसिव ऑफिस फर्नीचर, मोल्डेड फर्नीचर, मॉड्यूलर फर्नीचर एवं नीलकमल गद्दे, गोदरेज के फर्नीचर एवं लॉकर, क्वालिटी आउटडोर फर्नीचर और भी बहुत कुछ उपलब्ध है।

45 वर्षों से हमने ग्राहकों का विश्वास एवं भरोसा जीता है। सेल्स उपरांत सर्विस ही हमारी विशेषता है । अभी हमने कुछ चुनिंदा प्रोडक्ट पर 30 से 50 प्रतिशत तक विशेष छूट रखी है।

भगवान महावीर के निर्वाण के बाद गौतम स्वामी को हुआ केवलज्ञान, 683 वर्षों तक सुरक्षित रही

■ ज्ञान परंपरा; चलते चलो अविराम, मंजिल स्वयं सफलता का संदेश देगी : निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर जी



कुण्डलपुर (विश्व परिवार)। कार्तिक वदी अमावस्या को भगवान महावीर स्वामी का निर्वाण हुआ और इसके पश्चात इंद्रभूति गौतम स्वामी को केवलज्ञान प्राप्त हुआ। उनके माध्यम से भगवान महावीर की दिव्य देशना और ज्ञान परंपरा आगे बढ़ी। 683 वर्षों तक ज्ञान की यह परंपरा लिखित रूप में सुरक्षित रही। इसके पश्चात आचार्यों ने ज्ञान की इस पवित्र धारा को निरंतर प्रवाहित किया, जो आज भी अविरल रूप से आगे बढ़ रही है। उक्त उद्गार निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर जी महाराज ने सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर में धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। राष्ट्रीय प्रवक्ता अविनाश जैन 'विद्यावाणी' एवं क्षेत्रीय प्रचारमंत्री जयकुमार जैन 'जलज' ने बताया कि मुनि श्री ने भगवान महावीर स्वामी की साधना, केवलज्ञान प्राप्ति और धर्म परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि भगवान महावीर ने 30 वर्ष की आयु में दीक्षा ग्रहण की और 12 वर्षों तक कठोर साधना करते हुए मोक्ष मार्ग पर आगे बढ़ते रहे। इस अवधि में ध्यान, स्वाध्याय, आहारचर्या और निरंतर आत्मसाधना के माध्यम से उन्होंने अपनी आध्यात्मिक यात्रा को आगे बढ़ाया। 42 वर्ष की आयु में उन्हें केवलज्ञान प्राप्त हुआ। केवलज्ञान प्राप्ति के बाद भी 66 दिनों तक दिव्यध्वनि नहीं खिरी और इसके पश्चात प्रथम उपदेश हुआ। उन्होंने लगभग 30 वर्षों तक धर्मोपदेश देते हुए विहार किया और 72 वर्ष की आयु में पावापुरी के सरोवर में निर्वाण पद को प्राप्त किया।

मुनि श्री ने कहा कि तीर्थंकरों के धर्मोपदेश से ही धर्म की परंपरा आगे बढ़ती है। गणधर भगवान की देशना को ग्रहण कर ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाते हैं और उनके पश्चात आचार्य, उपाध्याय तथा मुनि इस आध्यात्मिक धरोहर को संरक्षित एवं प्रसारित करते रहते हैं।

दीपावली के पाँच पर्व और गौमाता का महत्व

■ भारतीय संस्कृति, आरोग्य, समृद्धि और पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संदेश



खैरागढ़ (विश्व परिवार)। दीपावली केवल दीपों का त्योहार नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति में गौमाता, प्रकृति, आरोग्य और समृद्धि के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का पाँच दिवसीय महापर्व है। इन पाँचों दिनों में गौमाता का विशेष धार्मिक, सांस्कृतिक एवं पर्यावरणीय महत्व देखने को मिलता है।

1. धनतेरस - आरोग्य और गोमूत्र का महत्व : भगवान धन्वंतरि के प्राकट्य दिवस धनतेरस पर आयुर्वेद और आरोग्य का स्मरण किया जाता है। गोमूत्र को भारतीय पारंपरिक चिकित्सा एवं पंचगव्य में महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है। इसका उल्लेख प्राचीन आयुर्वेदिक परंपराओं में भी मिलता है।

2. रूप चौदस एवं नरक चतुर्दशी - प्रकृति और शुद्धता का संदेश : इस दिन शरीर की स्वच्छता, सौंदर्य और सकारात्मकता का विशेष महत्व है। गौमाता का दूध, दही, घी, गोमूत्र और गोबर से निर्मित पंचगव्य भारतीय परंपरा में पवित्रता एवं प्राकृतिक जीवनशैली का प्रतीक माना गया है। धार्मिक मान्यताओं में गौमाता में 33 कोटि देवी-देवताओं का वास माना जाता है।

3. दीपावली - गोबर के दीपकों से पर्यावरण संरक्षण : दीपावली पर गाय के गोबर से बने वैदिक दीपक जलाना एक सुंदर भारतीय परंपरा को नया स्वरूप देने का प्रयास है। ये स्थानीय प्राकृतिक संसाधनों से निर्मित होते हैं, प्लास्टिक एवं अन्य कृत्रिम सजावटी वस्तुओं के विकल्प बन सकते हैं और उपयोग के बाद जैविक रूप से मिट्टी में मिल सकते हैं। इससे ग्रामीण महिलाओं को रोजगार तथा गौशालाओं को गोबर के सदुपयोग का अवसर मिलता है।

4. गोवर्धन पूजा - गौमाता और गोबर का सम्मान : इस दिन गौमाता की पूजा, गोबर से गोवर्धन पर्वत का निर्माण और प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त किया जाता है। गोबर जैविक खाद, भूमि की उर्वरता और प्राकृतिक खेती का महत्वपूर्ण आधार है। यह भारतीय कृषि संस्कृति में गौमाता के योगदान का प्रतीक है।

5. भाई दूज - स्नेह, संस्कार और गौमाता का आशीर्वाद : भाई दूज पर बहनें भाई का तिलक कर उसकी सुख-समृद्धि एवं दीर्घायु की कामना करती हैं। कई पारंपरिक क्षेत्रों में गोबर से आंगन लीपने, चौक बनाने और दीप प्रज्वलित करने की परंपरा भी रही है। यह स्वच्छता, पारिवारिक प्रेम और लोकसंस्कृति का सुंदर संगम है।

गौमाता के प्रत्येक अंश में उपयोगिता का संदेश

गाय का दूध पोषण का स्रोत, दही और घी भारतीय आहार एवं परंपरा का हिस्सा, गोबर जैविक खाद और प्राकृतिक संसाधन तथा गोमूत्र पारंपरिक पंचगव्य का महत्वपूर्ण घटक है। गौमाता का संरक्षण केवल धार्मिक आस्था नहीं, बल्कि कृषि, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और जीवदया से भी जुड़ा हुआ है।

आइए, इस दीपावली पर संकल्प लें कि घर-घर में गोबर के दीपक जलाएँ, गौ-आधारित उत्पादों को प्रोत्साहन दें, प्राकृतिक खेती अपनाएँ और गौमाता के संरक्षण में सहभागी बनें।

भारतीय मजदूर संघ से संम्बंध स्वायत्तशासी कर्मचारी महासंघ के चरोदा ने किया कमिश्नर श्री सुंदरानी का अभिनंदन



भिलाई (विश्व परिवार)। नगर निगम भिलाई-चरोदा कर्मचारी संघ ने कमिश्नर एस. के. सुंदरानी के प्रति आभार व्यक्त करते हुये उनको धन्यवाद ज्ञापित किया है। यंहा बता दे चरौदा निगम में हुये प्रशासनिक फेरबदल के चलते श्री सुंदरानी को 23 अक्टूबर 2026 को निगम की कमान प्राप्त हुई। खस्ताहाल कंगाल निगम जिसमें अधिकारियो को 04 माह से कर्मचारियो को 02 माह से वेतन के लाले थे। इसके आलावा जनप्रतिनिधि (पार्षदो) को भी 06 माह से मानदेय नही मिल पाया था ऐसी विषम परिस्थिति में कार्यभार ग्रहण करने के तुरंत बाद चरोदा कमिश्नर के तारा कर्मचारियो के समस्त लंबित वेतन भुगतान करा दिया है। यंहा तक कि विगत दिनांक 05 नवंबर 2026 को ही सभी कर्मचारियो को अक्टूबर माह का भी वेतन उनके खाते में प्राप्त हो गया है। कर्मचारी संघ के ईकाई अध्यक्ष श्री राम अवतार साहू ने कहा कि निगम चरोदा के इतिहास में यह पहली बार है कि दीपावली में बिना किसी हल्ला-नारेबाजी या आंदोलन के लंबित 02 माह का वेतन राशि कर्मचारियो को प्राप्त हो गई।

कार्यकारी अध्यक्ष श्री राम कुर्रे एवं कर्मचारी संघ महामंत्री अविनाश चन्द्राकर ने भी निगम कमिश्न महोदय को संवेदनशीलता और कर्मचारियो के प्रति उनके अपनत्व के भाव की सराहना करते हुये उनका आभार माना।

चरोदा कर्मचारी संघ के सदस्य विकासचन्द त्रिपाठी सहित श्रीमती सरोजनी यदूश्रीमती अभिलाषा श्रीवास्तव, श्रीमती टी. कामेश्वरी, श्री लिंगेश्वर राव श्री भागवत निर्मलकर श्रीमती ममता मढरिया, श्रीमती सुशीला यादव श्री चुम्मन साहू, श्री श्याम सुन्दर समस्त कर्मचारियो ने निगम आयुक्त के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की है। इस संबंध में कहा कि श्री सुंदरानी सर से हम सभी को यह अपेक्षा थी कि वे कर्मचारियो के हित में निर्णय लेकर वित्तीय संकट से हमें उबारेंगे और वैसा ही हुआ।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

विविध

रायपुर, शनिवार 07 नवंबर 2026



दिवाली में लिविंग रूम को सजाते समय आप भी रखें इन बातों का ध्यान

घर का लिविंग रूम सब के लिए खास होता है। यह एक ऐसा रूम है जहां घर के सभी लोग एक साथ बैठ के क्वॉलिटी टाइम बिताते हैं। घर में आने वाले मेहमान भी लिविंग रूम में बैठते हैं। यही नहीं, किसी भी पार्टी के लिए लिविंग रूम का बड़ा ही महत्व रहता है क्यूंकि, ये वो जगह है, जहां घर की पार्टी का इंतजाम किया जाता है। अगर लिविंग रूम अट्रैक्टिव होता है, तो पार्टी की रौनक और भी बढ़ जाती है, अगर अस्त-व्यस्त हो, तो पार्टी का मजा किरकिरा हो जाता है। इस दिवाली अगर आप भी दिवाली पार्टी के लिए लिविंग रूम को शानदार तरीके से डेकोरेट करना चाहती हैं, तो आपको कुछ बुनियादी बातों पर ध्यान देना चाहिए।

वैसे तो दिवाली के दिन सभी घरों में लाइट की व्यवस्था खूब रहती है लेकिन, जब दिवाली के दिन घर पर मेहमानों के साथ पार्टी रखी है, तो आपको अन्य दिनों के मुकाबले कुछ अधिक लाइट लगा लेनी चाहिए। अगर ठीक से लाइट नहीं हो तो पार्टी के साथ कमरे की सजावट खराब हो जाती है। हो सके तो पार्टी वाले दिन रंग-बिरंगी लाइट को लिविंग रूम में लगाने से बचे क्यूंकि, खाना खाने के दौरान बहुत कम लोग ही इस तरह की लाइट्स को पसंद करते हैं।

गलत कालीन को करें साइड

दिवाली पार्टी वाले दिन आप लिविंग रूम में कालीन ना ही लगाएं तो बेहतर है। अगर आप सफेद कलर का कालीन लिविंग रूम में लगाने वाली है, तो ये गलती भूल के भी नहीं कीजियेगा, क्यूंकि एक बार अगर कालीन पर दाग लग गए फिर उसके बाद उस दाग को निकालने में आपको ही मेहनत करनी पड़ सकती है। इसलिए दिवाली पार्टी के दिन कालीन बिछाने के लिए रंग का चयन करते समय ये जरूर याद रखें।

टेबल, कुर्सी का रखें ध्यान

वैसे तो लिविंग रूम एक तरह से टेबल, कुर्सी या सोफा सेट के लिए जाना जाता है लेकिन, दिवाली पार्टी वाले दिन लिविंग रूम में अधिक कुर्सी और सोफा सेट रखने से बचें, क्यूंकि इससे लिविंग रूम की जगह भी कम हो जाती है, और लिविंग रूम एकदम से भरा-भरा दिखने लगता है, जिसके चलते कई बार आने-जाने के लिए जगह की कमी हो जाती हैं। पार्टी के लिए आप एक बड़ा सा टेबल का इस्तेमाल कीजिए जिस पर एक साथ सभी बैठकर खाना खा सके।

सेटिंग चेंज करें

लिविंग रूम को अट्रैक्टिव दिखाने के लिए इसकी सेटिंग चेंज करते रहें। अगर आपने पिछले कई महीनों से लिविंग रूम की सेटिंग चेंज नहीं की है, तो इस बार उसे भी कर लीजिए। कई बार सेटिंग चेंज करने से भी लिविंग रूम को अट्रैक्टिव बनाया जा सकता है। आप सोफा, टीवी और टेबल आदि की पोजीशन को चेंज कर दीजिये और ये भी ध्यान रखें कि कई चीजों को एक साथ ना रखें। लिविंग रूम को खुला खुला रखने की कोशिश करें ताकि बीच में आने-जाने की जगह बनी रहे।

दिवाली का त्योहार आते ही लोग तरह-तरह से अपने घर की सजावट शुरू कर देते हैं। वैसे हिंदू धर्म में हर त्योहार पर रंगोली बनाने को बहुत ही शुभ माना गया है।

मेन डोर के लिए रंगोली डिजाइंस

वैसे तो घर के आंगन, रसोई के बाहर, पूजा स्थल पर और घर के मेन गेट आदि स्थानों पर रंगोली बनाई जा सकती है, मगर घर के मुख्य द्वार पर बनाई जाने वाली रंगोली हमेशा बहुत ही अर्थपूर्ण और आकर्षक होनी चाहिए, क्योंकि रंगोली का धार्मिक महत्व भी होता है। घर के मुख्य द्वार पर बनने वाली रंगोली की कुछ आसान और खूबसूरत डिजाइंस

लक्ष्मी जी के चरण वाली रंगोली

लक्ष्मी जी के चरण को बहुत ही शुभ माना जाता है। अमूमन लोग अपने घर में लक्ष्मी जी के चरणों के स्टीकर लगाते हैं। मगर वास्तु शास्त्र में प्लास्टिक को अशुभ माना जाता है और आमतौर पर बाजार में आपको प्लास्टिक के ही स्टीकर मिलेंगे। ऐसे में आप मुख्य द्वार पर लक्ष्मी जी के चरणों की रंगोली बना सकती हैं। यह रंगोली आप रंगोली के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले रंगों से भी बना सकती हैं और ताजे फूलों से भी आप इस तरह की रंगोली बना सकती हैं। अगर आप बहुत ज्यादा मेहनत नहीं करना चाहती हैं, तो बहुत बड़ी रंगोली बनाने की जगह बॉर्डर डिजाइन ही बनाएं। यह कम समय और मेहनत में बन जाएगी।

कॉर्नर पर बनाएं रंगोली

आजकल ज्यादातर लोग फ्लैट्स में रहते हैं। ऐसे में मेन डोर पर रंगोली बनाने से आने-जाने वालों को दिक्कत हो सकती है। इतना ही नहीं, आपके द्वारा मेहनत से बनाई गई रंगोली खराब भी हो सकती है। ऐसे में आप मेन डोर के कॉर्नर पर रंगोली बना सकती हैं।
इस तरह की रंगोली के लिए आप मंडला आर्ट का चुनाव कर सकती हैं। मगर इसके लिए आपका आर्ट में माहिर होना बहुत जरूरी है। वैसे आपको बाजार में रेडीमेड नेट मिल जाएगा, जिसमें पहले से ही डिजाइन बनी होती है और आपको उसमें रंगोली के रंग भरने होते हैं। अगर आप खुद से ही मंडला आर्ट करके रंगोली बनाना चाहती हैं, तो आपको आटे की मदद से पहले आउटलाइन तैयार कर लेनी चाहिए और फिर रंगोली में रंग भरने चाहिए।
कमल देवी लक्ष्मी को अति प्रिय है। जगत पिता श्री हरि नारायण को भी कमल का फूल अति प्रिय है। वैसे तो घर के प्रवेश द्वार पर एक जल भरे पात्र में आपको खिला हुआ कमल का फूल रखना ही चाहिए। मगर यदि ऐसा संभव न हो तो आप प्रवेश द्वार पर कमल के फूल की डिजाइन वाली रंगोली भी बना सकती हैं। ऐसा कहा जाता है कि द्वार पर कमल का फूल देख कर देवी लक्ष्मी उस स्थान पर वास करने जरूर आती हैं।

फूल की रंगोली

घर के मुख्य द्वार पर आप फूलों की रंगोली भी बना सकती हैं। इसके लिए आप 2 से 3 तरह के फूल ले सकती हैं। फूलों की रंगोली से घर भी सुगंधित होता है, जिससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होता है। फूलों की रंगोली बनाने के लिए आपको पहले ही आटे की मदद से आउटलाइन बना लेनी होगी। फिर आप फूलों की पंखुड़ियों से रंगोली को भर सकती हैं।

दीयों की रंगोली

दिवाली का त्योहार दीपों का त्योहार होता है। इसलिए आप दीयों से भी अपनी रंगोली को सजा सकती हैं। वास्तु शास्त्र के लिहाज से अगर आप चौमुखी दीपक को घर के प्रवेश द्वार पर जलाते हैं, तो चारों दिशाओं से सुख और समृद्धि आती है। ऐसे में आप दीपक की गोलाई में रंगोली बना सकती हैं। आप ऊपर दी गई तस्वीर में दिखाई गई डिजाइन से आइडिया ले सकती हैं।





दिवाली पर घर के हर कोने को लाइट्स से यूं सजाएं

दिवाली का त्योहार एक बार फिर से आने वाला है तो आपने अपने घर को सजाने के लिए नई लाइट्स तो खरीद ही ली होंगी। लाइट्स लगाने से घर में रौनक तो नजर आने ही लग जाती है मगर ऐसा तब ही होता है, जब आपने लाइट्स को सही स्थान पर लगाया हो। आज हम आपको बताएंगे कि घर के किस कोने में लाइट्स लगा सकते हैं और कौन सी लाइट घर के किस कॉर्नर के लिए अच्छी रहेगी।

दीवाली का त्योहार आते ही लोग अपने घर को सजाना-संवारना शुरू कर देते हैं। ज्यादातर लोग इस त्योहार पर लाइट्स से अपने घर को सजाते हैं। जाहिर है, दिवाली का त्योहार एक बार फिर से आने वाला है तो आपने अपने घर को सजाने के लिए नई लाइट्स तो खरीद ही ली होंगी। लाइट्स लगाने से घर में रौनक तो नजर आने ही लग जाती है मगर ऐसा तब ही होता है, जब आपने लाइट्स को सही स्थान पर लगाया हो। बहुत से लोग घर में जहां भी जगह पाते हैं, वहां लाइट्स लगा देते हैं, वहीं कुछ लोगों को तो यह भी नहीं पता होता है कि कौन सी लाइट को कहां और कैसे लगाना चाहिए।

एलईडी और इलेक्ट्रिक दीया

अगर आप बाजार से डिजाइनर एलईडी और इलेक्ट्रिक दीया खरीद कर लाए हैं, तो उसकी प्लेसमेंट सही जगह करें। जहां एलईडी दीये से आप घर के किसी भी कॉर्नर, टेबल, बालकनी आदि को सजा सकते हैं, वहीं इलेक्ट्रिक दीये आपको मंदिर में रखने चाहिए। हालांकि, वास्तु के हिसाब से इसे सही नहीं माना जाता है, इसलिए इन दीयों के साथ-साथ असल के दीयों से भी मंदिर को सजाएं।

फॉलिंग एलईडी लाइट्स

अगर आपके घर में गार्डन है और गार्डन में पेड़ पौधे लगे हुए हैं, तो आप फॉलिंग एलईडी लाइट्स को पेड़ में लगा सकते हैं। इससे आपका गार्डन जगमगा जाएगा। आप इस तरह की लाइट्स को बालकनी में भी सजावट के लिए लगा सकती हैं।

राइस लाइट

घर पर मौजूद सेंटर टेबल को भी आप लाइट-अप कर सकती हैं। इसके लिए आप असली के दीयों के साथ-साथ किसी शीशे की बॉटल के अंदर राइस लाइट भी भर कर रख सकती हैं। इस बात का ध्यान रखें कि राइस लाइट को ऐसे स्थान पर रखें जहां कम रोशनी हो। अधिक रोशनी में इसे रखने से सारा मजा किरकिरा हो जाता है।

हैंगिंग लाइट्स

हैंगिंग लाइट्स का इस्तेमाल आप किसी भी स्थान पर कर सकती हैं। मगर इस बात का ध्यान रखें कि जब आप हैंगिंग लाइट लगा रही हों तो उसे दीवार से सटा कर न लगाएं। हां, अगर वॉल हैंगिंग लाइट है तो आप ऐसा कर सकती हैं। मगर सीलिंग हैंगिंग लाइट्स की खूबसूरती को निहारने के लिए सही तरह से उसे फिक्स करें।

एलईडी स्ट्रिप लाइट्स

अगर आपके घर के खिड़की-दरवाजों या फिर फर्नीचर को डेकोरेट करना है तो एलईडी स्ट्रिप लाइट्स का प्रयोग करें। इतना ही नहीं, घर के मंदिर को डेकोरेट करने के लिए भी आप इन लाइट्स का प्रयोग कर सकती हैं। इन लाइट्स को लगाते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि उस स्थान पर फिर और अधिक लाइट्स न लगाएं और इन्हें रनिंग मोड पर रखें, नहीं तो यह बहुत जल्दी खराब भी हो जाती हैं।



कम समय में बनानी है खूबसूरत रंगोली तो ये 5 हैक्स करेंगे मदद

दिवाली पर अगर आप भी चाहती हैं कि घर पर खूबसूरत रंगोली बने और समय कम लगे तो किचन के कुछ सामान की मदद से आप परफेक्ट रंगोली बना सकती हैं।

दीवाली करीब आ गई है और अब घरों में रंगोली बनना शुरू हो गई होगी। कई लोग नवरात्र से शुरू करके दिवाली के बाद तक घरों के आंगन को रंगोली से सजाते हैं। यकीनन घर के बाहर अगर खूबसूरत डिजाइन की रंगोली बनी हो तो देखकर बहुत अच्छा लगता है। पर कई लोगों के साथ ये समस्या होती है कि उन्हें रंगोली की डिजाइन्स समझ नहीं आती और उन्हें इसे बनाने में बहुत समय लग जाता है। ऐसे में क्यों न हम कुछ ऐसे हैक्स का इस्तेमाल करें जिससे जल्दी से जल्दी रंगोली बन जाए। आज हम आपको कुछ ऐसे ही हैक्स बताने जा रहे हैं जो घर के सामान की मदद से ही अच्छी रंगोली बनाने में आपकी मदद कर सकते हैं। चम्मच, इयरबड, कंघी की मदद से आप खूबसूरत रंगोली डिजाइन्स बना सकते हैं। ये सभी बहुत आसानी से बनने वाले हैं और आपको इसमें समय बहुत कम लगेगा। तो चलिए जानते हैं कौन से हैं वो हैक्स

छलनी की मदद लें

आजकल ऐसी रंगोली का चलन बहुत ज्यादा है जहां अलग-अलग रंगों से बेस बनाया जाता है और उसके बाद सेंटर में सफेद या ऐसे ही लाइट रंगों से अलग-अलग तरह के डिजाइन्स बनाए जाते हैं। आप आप आटा छानने वाली छलनी में कलर डालकर एक गोलाकार सेंटर बना सकते हैं। इसके बाद चाय वाली छलनी में रंगों को भरकर उसी गोले के आस-पास कई रंगों के सर्कल बना सकते हैं। डिजाइन आप जो चाहें चुन लें छलनी की मदद से उसे बहुत आसानी से बना सकते हैं। इस तरह की रंगोली में कलर कॉम्बिनेशन का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है। अगर आपने सही कलर कॉम्बिनेशन नहीं रखा तो ये भी हो सकता है कि रंगोली बने तो परफेक्ट लेकिन खराब रंगों की वजह से खिली हुई सी न दिखे।

इयरबड की मदद से बनाएं खूबसूरत रंगोली

दिवाली की खूबसूरत रंगोली बनाने के लिए आप इयरबड्स की मदद भी ले सकते हैं। इनसे बहुत अच्छे डिजाइन्स बनाए जा सकते हैं। आपको करना बस ये है कि जिस तरह का डिजाइन भी आपने दिमाग में रखा है उसके हिसाब से रंग चुनने हैं। तस्वीर में जो रंगोली दिखाई गई है उसमें बेस व्हाइट रंग डालने के बाद अलग-अलग रंगों से बड़े डॉट्स फ्लोर पर बनाए गए थे। इसके बाद इयरबड की मदद से इन्हें पत्तियों वाला डिजाइन दिया गया है। आप भी इयरबड की मदद से खूबसूरत रंगोली की डिजाइन बना सकते हैं। बस ध्यान ये देना है कि जो डॉट्स आप बनाएं वो एक ही साइज के हों। इसके लिए आप किसी पतले नॉजल वाली बॉटल या रंगोली वाले कोन्स का इस्तेमाल कर सकती हैं।

चम्मच की मदद से बनाएं

जिस तरह हम इयरबड्स का इस्तेमाल कर रंगोली बना सकते हैं उसी तरह चम्मच का इस्तेमाल कर रंगोली भी बनाई जा सकती है। इसके लिए आपको उसी तरह के डॉट्स फ्लोर पर बनाने होंगे जैसे हमने इयरबड्स के समय बनाए थे और साथ ही चम्मच की मदद से उसे शेप देना होगा। आप परफेक्ट राउंड शेप के लिए किसी स्टील की प्लेट का इस्तेमाल भी कर सकते हैं और उसके इर्द-गिर्द उस तरह के डॉट्स बना सकते हैं जैसे तस्वीर में दिखाए गए हैं। ये ट्रिक फूलों वाली रंगोली बनाने के लिए काफी मददगार साबित हो सकती है।

चॉक की मदद से बनाएं रंगोली

आप रंगोली बनाने से पहले चॉक की मदद से उसकी डिजाइन पहले फ्लोर पर बना लें। ऐसा करने से आपको समय कम लगेगा और रंगोली के बिगड़ने की गुंजाइश भी कम हो जाएगी। आप चाहें तो गेहूं वाली छलनी (बड़े छेद वाली छलनी) की मदद से डॉट्स फ्लोर पर बनाकर डॉट्स वाली रंगोली भी बना सकती हैं। इन छोटे साइज के डॉट्स को कनेक्ट कर आप कई अच्छी डिजाइन्स तैयार कर सकती हैं।

फोर्क या कंघी का करें इस्तेमाल

अगर आपको किसी डिजाइन में बारीक लाइन्स चाहिए तो आप फोर्क या कंघी या फिर टूथपिक का इस्तेमाल कर सकती हैं। पहले बेस रंग फ्लोर पर डालें और उसके बाद टूथपिक, फोर्क या कंघी की मदद से उसपर मनचाहा डिजाइन बनाएं। इस तरह की रंगोली टाइल्स पर ज्यादा अच्छी तरह से बनती है।



ज्यादा दिनों तक चलने के साथ वेट कंट्रोल करेगी गुलाब नारियल बर्फी

गुलाब नारियल बर्फी एक ऐसी मिठाई है, जिसे आप कई दिनों तक रख सकते हैं। साथ ही नारियल होने की वजह से इसमें ज्यादा चीनी का इस्तेमाल भी नहीं करना पड़ता। इस वजह से इसे खाने से वेट भी नहीं बढ़ता। वहीं अगर आप चीनी खाना पूरी तरह छोड़ चुके हैं, तो आप चीनी की जगह गुड़ का इस्तेमाल करके भी गुलाब नारियल बर्फी बना सकते हैं। फेस्टिव सीजन खासकर दिवाली के लिए आप यह मिठाई बना सकते हैं।

गुलाब नारियल बर्फी बनाने की सामग्री

1 कप मावा
2 कप नारियल पाउडर
3/4 कप चीनी बूरा
2-4 बूंद रोज एसेंस
1 टीस्पून इलायची पाउडर
1/4 टीस्पून रेड फूड कलर
2 टेबलस्पून पिस्ता कटे हुए
2 टेबलस्पून नारियल पाउडर

गुलाब नारियल बर्फी बनाने की विधि

सबसे पहले एक बर्तन में नारियल पाउडर, गुलाब एसेंस, इलायची पाउडर और चीनी बूरा डालकर मिक्स कर 20 मिनट के लिए ढककर रख दें। तय समय के बाद मीडियम आंच पर पैन रख दें। इसमें मावा, नारियल पाउडर वाला मिश्रण और चीनी डालकर इसके घुलने तक पकाएं। जब मिश्रण पैन छोड़ने लगे तब गैस बंद कर इसे प्लेट पर निकाल लें। मिश्रण को दो भागों में बांट लें। एक भाग में रेड फूड कलर मिलाएं। अब ट्रे पर घी लगाकर चिकना कर लें। पहले सादा मिश्रण डालें फिर ऊपर से कलर वाला मिश्रण डालकर सेट करें। इस पर नारियल पाउडर छिड़ककर कटे हुए पिस्ता डाल दें। ट्रे को फ्रिज में 1 घंटे तक सेट होने के लिए रख दें। तय समय के बाद फ्रिज से ट्रे निकाल लें। तैयार है गुलाब नारियल बर्फी। मनचाहे पीस में काटकर सर्व करें।

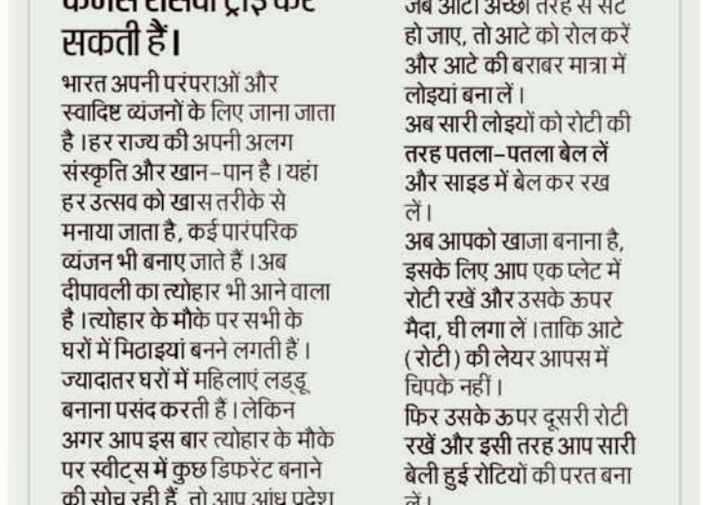
इस बार त्योहार पर बनाएं खाजा मिठाई

अगर आप त्योहार के मौके पर स्वीट्स में कुछ डिफरेंट बनाने की सोच रही हैं, तो आप आंध्र प्रदेश की यह फेमस रेसिपी ट्राई कर सकती हैं।

भारत अपनी परंपराओं और स्वादिष्ट व्यंजनों के लिए जाना जाता है। हर राज्य की अपनी अलग संस्कृति और खान-पान है। यहां हर उत्सव को खास तरीके से मनाया जाता है, कई पारंपरिक व्यंजन भी बनाए जाते हैं। अब दीपावली का त्योहार भी आने वाला है। त्योहार के मौके पर सभी के घरों में मिठाइयां बनने लगती हैं। ज्यादातर घरों में महिलाएं लड्डू बनाना पसंद करती हैं। लेकिन अगर आप इस बार त्योहार के मौके पर स्वीट्स में कुछ डिफरेंट बनाने की सोच रही हैं, तो आप आंध्र प्रदेश की फेमस मिठाई खाजा की यह रेसिपी ट्राई कर सकती हैं।
आपको बता दें कि यह आंध्र प्रदेश की एक पारंपरिक डिश है, जिसे मैदा और शुगर सिरप में डीप करके तैयार किया जाता है। इसे लोग खास त्योहार के मौके पर बनाना पसंद करते हैं। हालांकि, इसे कई नामों से पुकारा जाता है जैसे आंध्र चिरोटी, खाजा आदि। साथ ही, यह डिजर्ट बिहार में भी काफी लोकप्रिय है और बहुत से लोग इसे बिहारी खाजा के नाम से भी जानते हैं। आप इसे बहुत ही आसानी से बना सकती हैं, कैसे? आइए जानते हैं.

बनाने की विधि

खाजा मिठाई बनाने के लिए सबसे पहले एक बाउल में मैदा छान लें और फिर इसमें सभी सामग्रियों जैसे बेकिंग पाउडर, घी आदि डालें और अच्छी तरह से मिक्स कर लें।
अब आप आटे में पानी डालें और उसे अच्छी तरह से गूंथ लें। फिर 20 मिनट के लिए अलग रख दें।
जब आटा अच्छी तरह से सेट हो जाए, तो आटे को रोल करें और आटे की बराबर मात्रा में लोइयां बना लें।
अब सारी लोइयों को रोटी की तरह पतला-पतला बेल लें और साइड में बेल कर रख लें।
अब आपको खाजा बनाना है, इसके लिए आप एक प्लेट में रोटी रखें और उसके ऊपर मैदा, घी लगा लें। ताकि आटे (रोटी) की लेयर आपस में चिपके नहीं।
फिर उसके ऊपर दूसरी रोटी रखें और इसी तरह आप सारी बेली हुई रोटियों की परत बना लें।
अब इन रोटियों को फोल्ड करके एक रोल बना लें। फिर रोल को साइड से पतला-पतला (ज्यादा नहीं) खाजा के शेप में काट लें।
अब धीमी आंच पर कढ़ाही में तेल गर्म कर लें। जब तेल गर्म हो जाए, तो खाजा को डीप फ्राई कर लें।
अब आपको चाशनी बनानी है, इसके लिए आप एक बर्तन में चीनी और पानी डालें और चाशनी तैयार कर लें।
अब तले हुए खाजा को एक एक करके चाशनी में डाल दें और कुछ देर इसे ही छोड़ दें।
फिर कुछ देर बाद चाशनी से खाजा निकल लें और अपने मेहमानों को सर्व करें।



दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, शनिवार 07 नवम्बर 2026

रोकथाम, टीकाकरण, जांचः कैंसर को शुरुआत में हराने के लिए एक डॉक्टर की सलाह

■ डॉ. भरत भूषण खुर्से, कंसल्टेंट, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, एमएमआई नारायणा हॉस्पिटल, रायपुर



रायपुर (विश्व परिवार)। हर हफ्ते मेरे क्लिनिक में कुछ ऐसे मरीज आते हैं, जो बीमारी का पता चलने के बाद यही कहते हैं, हमें तो कुछ पता ही नहीं चला। कई बार लक्षण महीनों पहले दिखने लगे थे, या बीमारी को रोकने का मौका सालों पहले मौजूद था। राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस पर मैं वह बात बताना चाहता हूँ, जो मैं चाहता हूँ कि ज्यादा से ज्यादा लोग जानें। कैंसर के कई मामलों को रोका जा सकता है, और बाकी में से ज्यादातर को शुरुआत में पकड़ा जा सकता है, जब इलाज सबसे अच्छा काम करता है।

शुरुआत अपनी जीवनशैली से करें

नियमित व्यायाम से स्तन और आंत (कोलोरेक्टल) जैसे कुछ कैंसरों का खतरा कम हो सकता है। इसके लिए जिम क्जाना जरूरी नहीं है, बस रोज शरीर को चलाते रहें। 30 मिनट की तेज सैर, बैडमिंटन का एक खेल, बच्चों के साथ साइकिल चलाना या छुट्टी के दिन फुटबॉल खेलना, ये सब व्यायाम में गिने जाते हैं।

खानपान भी मायने रखता है। मांस को खुली आग पर जलने की हद तक भूनने से ऐसे हानिकारक तत्व बनते हैं, जो शरीर की कोशिकाओं को नुकसान पहुँचा सकते हैं। परिवार के साथ कभी बारबेक्यू करने से पूरी तरह परहेज़ करने की जरूरत नहीं है, लेकिन इसे बार-बार नहीं करना चाहिए। इसकी जगह भाप में पकाना, बेक करना या मध्यम आंच पर ग्रिल करना बेहतर है।

टीकों से बचाव करें

दो टीके ऐसे हैं, जो कैंसर से बचाने में मदद करते हैं। एचपीवी का टीका उस वायरस से बचाता है, जो लगभग सभी सर्वाइकल कैंसर का कारण बनता है। यह गले और जननांगों के कुछ कैंसरों से भी बचाव करता है। यह टीका तब सबसे ज्यादा असरदार होता है, जब वायरस के संपर्क में आने से पहले लगवाया जाए, इसीलिए इसे कम उम्र में लगवाने की सलाह दी जाती है। अगर आपकी उम्र ज्यादा है, तब भी आपके डॉक्टर बता सकते हैं कि आपके लिए क्या सही रहेगा। हेपेटाइटिस बी का टीका उस संक्रमण से बचाता है, जो सालों तक लिवर को नुकसान पहुँचाता रहता है और आगे चलकर लिवर कैंसर का कारण बन सकता है। दोनों टीके सुरक्षित हैं, आसानी से उपलब्ध हैं और आधुनिक चिकित्सा में कैंसर से बचाव के सबसे असरदार तरीकों में से हैं।

अपने परिवार का स्वास्थ्य इतिहास जानें

अगर आपकी मां, बहन या मौसी-बुआ को स्तन या अंडाशय (ओवरी) का कैंसर हुआ है, तो अपने डॉक्टर को जरूर बताएं। कुछ परिवारों में BRCA जीन में बदलाव पाए जाते हैं, जिनसे स्तन और अंडाशय के कैंसर का खतरा काफी बढ़ जाता है। एक जेनेटिक टेस्ट से इसका पता चल सकता है, और नतीजे के आधार पर आप और आपके डॉक्टर नियमित निगरानी और समय रहते कदम उठाने की योजना बना सकते हैं। यह जानना कोई बोझ नहीं है। इससे आपको कदम उठाने का समय मिलता है।

जांच से जान बचती है

स्क्रीनिंग यानी जांच वह टेस्ट है, जो तब कैंसर ढूँढ लेता है जब आपको कोई तकलीफमहसूस ही नहीं होती। यही इसकी असली कीमत है। अपने डॉक्टर से इन जांचों के बारे में बात करने की मैं सलाह देता हूँ:

■ **स्तन कैंसरः** 40 साल की उम्र से मैमोग्राफी। परिवार में इतिहास हो तो इससे पहले शुरू करें।

■ **कोलोरेक्टल कैंसरः** 45 साल की उम्र से कोलोनोस्कोपी और मल में छिपे खून की जांच।

■ **मुंह का कैंसरः** डॉक्टर द्वारा एक साधारण जांच। यह खासकर उन लोगों के लिए जरूरी है, जो तंबाकू, गुटका या पान का सेवन करते हैं।

■ **प्रोस्टेट कैंसरः** 50 साल की उम्र से पुरुषों को अपने डॉक्टर से जांच के बारे में बात करनी चाहिए। जिन पुरुषों के परिवार में इसका इतिहास है, वे 40 से 45 साल की उम्र के बीच बात करें।

राज्य अलंकरण मिलने के बाद कुडूक मछुआ समिति के अध्यक्ष ने कलेक्टर से की सौजन्य भेंट



जगदलपुर (विश्व परिवार)। प्रतिष्ठित 'ठाकुर प्यारेलाल सिंह राज्य अलंकरण 2026' से सम्मानित होने के बाद प्राथमिक कुडूक मछुआ सहकारी समिति मर्यादित चित्रकोट के अध्यक्ष श्री धनसिंह बघेल ने बस्तर कलेक्टर श्री आकाश छिकारा से कलेक्टोरेट में सौजन्य मुलाकात की। इस विशेष भेंट के दौरान अध्यक्ष श्री बघेल ने राज्य स्थापना दिवस पर मिले इस सर्वोच्च सम्मान के संदर्भ में समिति के सफल मॉडल, जमीनी प्रयासों और आगामी कार्ययोजनाओं की विस्तृत जानकारी कलेक्टर के समक्ष साझा की। कलेक्टर श्री छिकारा ने समिति के इस ऐतिहासिक कीर्तिमान की सराहना करते हुए इसे बस्तर के ग्रामीण स्वावलंबन और पर्यटन विकास का एक उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

कलेक्टर श्री आकाश छिकारा ने समिति की उपलब्धियों पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि ग्रामीण सहकारिता, जनभागीदारी और पर्यटन का यह तालमेल पूरे जिले के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने समिति को प्रशासन की ओर से हरसंभव सहयोग देने आश्वस्त करते हुए भविष्य में पर्यटन सुविधाओं को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए प्रेरित किया।

भेंट के दौरान श्री धनसिंह बघेल ने कलेक्टर को अवगत कराया कि वर्ष 2009 में पंजीकृत यह समिति आज बस्तर के 62 मछुआ परिवारों की आजीविका का मजबूत आधार बन चुकी है। किसी भी बाहरी वित्तीय मदद या सरकारी अनुदान के बगैर समिति ने अपनी स्वयं की बचत और आय से सात आधुनिक नौकाओं की खरीदी की है और अपने सुव्यवस्थित कार्यालय भवन का निर्माण भी पूरा कराया है।

अध्यक्ष ने विश्वप्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात पर पर्यटन और नौकायन संचालन की जानकारी देते हुए बताया कि पर्यटकों को मात्र 50 रुपये प्रति व्यक्ति की दर से सुरक्षित नौका विहार कराया जा रहा है। इसी सुलभ और सुरक्षित व्यवस्था के चलते वर्ष 2023-24 में जहां 30,775 सैलानी आए थे, वहीं वर्ष 2025-26 में यह संख्या दोगुने से अधिक बढ़कर 70,569 तक पहुंच गई, जिससे समिति को 35,28,950 रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ।

बीएसपी के स्वास्थ्य शिविरों में 165 ग्रामीणों की निःशुल्क जांच



■ चिकित्सकीय परामर्श के साथ निःशुल्क दवाइयां वितरित की गईं

दुर्ग (विश्व परिवार)। रभिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) विभाग ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दुर्ग जिले के चार गांवों में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन किया। कुर्मीगुंडरा, अछोटी, अरसनारा और जंजगीरी में आयोजित इन शिविरों में कुल 165 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इनमें 52 पुरुष और 113 महिलाएं शामिल रहीं। शिविरों में ग्रामीणों को चिकित्सकीय परामर्श के साथ आवश्यक दवाइयां भी निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं।

विकासखंड पाटन के ग्राम कुर्मीगुंडरा में आयोजित शिविर में बीएसपी की ओर से डॉ. सर्वेश प्रधान ने ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। फार्मासिस्ट मनीष कुमार और नर्सिंग स्टाफरेणुका ने स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कीं। पंजीयन कार्य में विवेक ध्रुव तथा जिला चिकित्सालय की सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) प्रियंका साहू ने सहयोग किया। इस शिविर में 25 पुरुषों और 27 महिलाओं सहित कुल 52 ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की गई।

विकासखंड निकुम के ग्राम अछोटी में आयोजित शिविर में डॉ. ज्योति सिन्हा ने ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। फार्मासिस्ट विविध बर्छिहा और नर्सिंग स्टाफ मोहम्मद सिराज ने स्वास्थ्य सेवाओं में सहयोग दिया। पंजीयन कार्य में राकेश कुमार तथा जिला चिकित्सालय की महिला सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी निकिता साबित हुए। प्रसाद की भूमिका रही। यहां 10 पुरुषों और 18 महिलाओं सहित कुल 28 ग्रामीणों ने स्वास्थ्य जांच कराई।

इसी प्रकार, विकासखंड पाटन के ग्राम अरसनारा में आयोजित शिविर में डॉ. सविता बंछोर ने ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। फार्मासिस्ट विविध बर्छिहा और नर्सिंग स्टाफ मोहम्मद सिराज ने अपनी सेवाएं दीं। पंजीयन कार्य में राकेश कुमार एवं जिला चिकित्सालय की महिला सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी वीना साहू ने सहयोग किया। शिविर में 13 पुरुषों और 27 महिलाओं सहित कुल 40 ग्रामीणों को स्वास्थ्य जांच एवं निःशुल्क दवाइयों का लाभ मिला।

विकासखंड धमधा के ग्राम जंजगीरी में आयोजित शिविर में डॉ. राजेंद्र साहू ने ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। फार्मासिस्ट विविध बर्छिहा और नर्सिंग स्टाफ मोहम्मद सिराज ने स्वास्थ्य सेवाओं में सहयोग प्रदान किया। पंजीयन कार्य में राकेश कुमार तथा जिला चिकित्सालय की महिला सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी नेहा वर्मा का योगदान रहा। इस शिविर में 4 पुरुषों और 41 महिलाओं सहित कुल 45 ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की गई।

बीएसपी के सीएसआर विभाग की इस पहल से ग्रामीणों को अपने गांव में ही प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं, चिकित्सकीय परामर्श और आवश्यक दवाइयां उपलब्ध हो सकीं। विशेष रूप से उन ग्रामीणों को इसका लाभ मिला, जिन्हें सामान्य स्वास्थ्य जांच के लिए भी दूरस्थ अस्पतालों तक जाना पड़ता है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने और समुदाय के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता विकसित करने की दिशा में ये शिविर महत्वपूर्ण साबित हुए।

महिला स्व-सहायता समूह की योजना के साथ महतारी वंदन योजना और हुनर की ताकत

■ देवड़ा की कुम्हार महिलाएं गढ़ रहीं आत्मनिर्भरता की मिसाल



जगदलपुर (विश्व परिवार)। दीपावली के पावन पर्व के नजदीक आते ही मिट्टी के दीयों और पारंपरिक बर्तनों की मांग बढ़ गई है। इस त्योहारी सीजन में ग्रामीण शिल्पकार न केवल अपनी कला को संजोए हुए हैं, बल्कि सरकारी योजनाओं के सहयोग से आत्मनिर्भरता की नई इबारत भी लिख रहे हैं। ग्राम देवड़ा (सोनारपाल) में पारंपरिक मिट्टी कला से जुड़े कुम्हार परिवारों की महिलाएं कड़ी मेहनत और सामूहिक प्रयास से अपने व्यवसाय को नई दिशा दे रही हैं।

दीप समूह की 14 महिलाओं का सामूहिक प्रयास

देवड़ा क्षेत्र के कुम्हारपारा में कारीगरों के लगभग पाँच महिला स्व-सहायता समूह सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। इनमें से दीप समूह में 14 महिलाएं मिलकर मिट्टी के दीये, कलश, हंडी और अन्य बर्तन तैयार कर रही हैं। गणेश उत्सव के समय से शुरू हुई यह तैयारी अब दीपावली तक पूरे उत्साह से जारी है। इन बर्तनों की बिक्री न केवल स्थानीय स्तर पर घर और दुकानों से की जा रही है, बल्कि बालेंगा और सोनारपाल जैसे नजदीकी बाजारों में भी इनकी अच्छी मांग है।

महतारी वंदन योजना से मिला आर्थिक संबल

समूह की सदस्य कुंती पाढ़े ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना उनके व्यवसाय के लिए वरदान साबित हो रही है। इस योजना से मिलने वाली आर्थिक सहायता राशि को महिलाएं अपनी कार्यशील पूंजी (वर्किंग कैपिटल) के रूप में उपयोग कर रही हैं।

विद्यार्थियों ने पुराने वस्त्र एकत्र कर 8 सौं लोगों को बांटा

■ बांटे खुशियां त्यौहार की अभियान



रायपुर (विश्व परिवार)। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी छत्रपति शिवाजी स्कूल की दो शाखाओं के विद्यार्थियों ने बांटे खुशियां त्यौहार की अभियान के तहत पिछले 15 दिनों से पुराने व उपयोगी वस्त्रों को संग्रह करने का अभियान चलाया है। इसके अन्तर्गत करीब आठ सौ लोगों के लिए पुराने वस्त्र एकत्र कर लिए गए थे। आज 6 नवंबर को शिवाजी स्कूल के इन विद्यार्थियों द्वारा मेकाहारा के कैंसर विभाग के बाहर स्टाल लगाकर यहां ज़रूरतमंदों को इन वस्त्रों का वितरण किया गया।इन वस्त्रों को लेने के लिए अस्पताल प्रांगण में बच्चों, पुरुषों, महिलाओं, लड़कियों सभी ने क्रम से लगकर अपनी आवश्यकतानुसार कपड़ों को प्राप्त कर खुशियों का इज़हार किया। मनपसंद कपड़े पाकर सभी के चेहरे खिल उठे। इस अवसर पर कैंसर विभागाध्यक्ष व मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ.विवेक चौधरी, डॉ.स्मित श्रीवास्तव, डॉ.नरेंद्र चंद्राकर ने वस्त्र वितरण अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर स्कूल संचालक मुकेश शाह समेत शिक्षिकाओं माया चौहान, पार्वती देवांगन,रचना सोनी, कृष्णा विशाल,सुरेश यादव,कैलाश देवांगन, स्कूल के हेड ब्वाय प्रखर वर्मा, असिस्टेंट हेड ब्वाय अंकित सिंह ठाकुर ओर अनुराग वाकड़े, भूमिका मानिकपुरी,आमना रंगरेज़ समेत अनेक विद्यार्थी भी शामिल रहे।

खाद्य सामग्री की महंगाई से त्योहार कैसे मनाये : कांग्रेस



रायपुर। दीपावली के त्योहार में राशन शक्कर एवं खाद्य तेलों की बढ़ती कीमतों ने त्योहार का मजा फीका कर दिया। प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि आम आदमी त्योहार कैसे मनाये? मोदी राज में महंगाई बेतहाशा बढ़ी, गरीब और मध्यम वर्ग परेशान है तथा त्योहारी सीजन में महंगाई से आम आदमी का बजट बिगड़ गया है। कुछ दिनों में शक्कर की कीमत में 40 से 50 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। खाद्य तेल के दाम दुगुने हो गये है। प्याज 50 रू. किलो पहुंच गया है।

वृद्धाश्रम कोटा में वृद्धजनों के साथ जन्मदिन मनाकर उनसे आशीर्वाद लिये विकास उपाध्याय

■ रायपुर शहर सहित पश्चिम विधानसभा अंतर्गत विभिन्न वार्डों में जन्मदिवस को सेवा समर्पण के रूप में मनाया गया



रायपुर (विश्व परिवार)। पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक एवं पूर्व संसदीय सचिव, कांग्रेस के वरिष्ठ एवं सक्रिय युवा नेता विकास उपाध्याय के जन्मदिन के शुभ अवसर पर 6 नवंबर 2026, शुक्रवार को रायपुर शहर सहित पश्चिम विधानसभा के विभिन्न स्थानों पर जन्मोत्सव कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विकास उपाध्याय ने अपने जन्मदिन के अवसर पर छत्तीसगढ़ प्रदेशवासियों को धनतेरस, दीपावली एवं भाईदूज की बधाई एवं शुभकामनायें दी एवं प्रदेश की खुशहाली की कामना की है। आज विकास उपाध्याय का पूरा दिन सेवा, समर्पण और जनसरोकार के साथ संपन्न हुआ, पूर्व विधायक विकास उपाध्याय का जन्मदिन बड़े धूम-धाम से मनाया गया, इस अवसर पर दिग्गज नेता सहित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मिलकर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएँ दी, साथ ही रायपुर शहर के विभिन्न स्थानों में पहले से ही आमंत्रित हुये थे जहाँ वे स्वयं पहुँच कार्यकर्ताओं व आमजनों को मिठाई खिलाकर जन्मोत्सव मनाये। जन्मदिन के अवसर पर विकास उपाध्याय ने विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर कार्यकर्ताओं, समर्थकों एवं क्षेत्रवासियों के बीच जन्मोत्सव कार्यक्रमों में शामिल हुए।

7 नई नौकाओं का महापौर ने पूजन कर आम जनता को किया समर्पित



■ नागरिक मनोरंजन सुविधा में विस्तार, पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य उपवन (चैपाटी) में

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। रानी सागर के पास स्थित शहर के ऐतिहासिक एवं प्रमुख पर्यटन स्थल पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य उपवन (चैपाटी) में आज 7 नवीन नौकाओं का महापौर श्री मधुसूदन यादव द्वारा विधिवत पूजन कर उन्हें आम जनता के लिए समर्पित किया गया। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त श्री जी.एस. मरकाम सहित निगम अध्यक्ष श्री टोपेन्द्र सिंह पारस वर्मा, महापौर परिषद के प्रभारी सदस्य श्री सावन वर्मा व श्री राजा माखीजा, पार्षदगण श्री रवि सिन्हा, श्री सतीश साहू, पार्षद प्रतिनिधि श्री पंकज कुरंजेकर व श्री राजेश यादव की विशेष उपस्थिति रही।

इस अवसर पर महापौर मधुसूदन यादव ने दीपावली पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नई नौकाओं के आ जाने से आम जनता, विशेषकर बच्चों और परिवारों में खुशी का माहौल है। नगर निगम का प्रयास है कि रानी सागर जैसे ऐतिहासिक धरोहर स्थल का चरणबद्ध तरीके से नवीनीकरण कर उसे पुनः पुराने वैभव और आकर्षण की ओर ले जाया जाए। उन्होंने बताया कि चैपाटी में लंबे समय से बंद पड़ी टॉय ट्रेन को पुनः प्रारंभ करने की तैयारी भी पूरी कर ली गई है। इसके शुरू होने से बच्चों एवं नागरिको के लिए एक नया आकर्षण जुड़ेगा और रानी सागर में लोगों की आवाजाही बढ़ेगी। इसके अलावा आवश्यक मरम्मत कर उपवन को मूर्तरूप देने का प्रयास किया जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 13 मौलश्री पौधे तथा 10 नारियल पौधे का रोपण किया गया। यह पहल शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं हरित बनाने के संकल्प का प्रतीक है। महापौर ने कहा कि नगर निगम शहर की ऐतिहासिक धरोहरों को संरक्षित करने के साथ-साथ उन्हें आधुनिक सुविधाओं से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है, ताकि रानी सागर पुनः शहरवासियों के मनोरंजन, पर्यटन और आकर्षण का प्रमुख केंद्र बन सके। आयुक्त श्री मरकाम ने कहा कि उपवन (चैपाटी) के पाथवे का मरम्मत कर लक्ष्मण झुला,जीम उपकरण एवं बच्चो झुला आदि भी दुरूस्त किया गया है। इसके अलावा कबाड से जुगाड के तहत अनुपयोगी समाग्री से निर्मित शेर लगाया गया है, उक्त स्थल को शेल्फी पाईंट के रूप में विकसित किया गया है। उन्होंने बताया कि उपवन में रंग रोगन व पौधो की ट्रीमिंग कर नागरिको की सुविधा के लिए पुष्पवाटिका में सर्वसुविधायुक्त आकाक्षी शौचालय का भी निर्माण किया गया है। इस अवसर पर कार्यपालन अभियंता श्री दीपक खाण्डे, राजस्व अधिकारी श्री मोबिन अली,समाज कल्याण अधिकारी श्री भूपेन्द्र वाडेकर, प्र.स्वास्थ्य अधिकारी श्री राजेश मिश्रा सहित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल, अस्पतालों में डॉक्टर नदारद : कांग्रेस



रायपुर। बदहाल हो चुकी स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता सुरेन्द्र वर्मा ने कहा है कि आज छत्तीसगढ़ की स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह वेंटिलेटर पर है। राज्य के जिला अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों की हालत यह है कि वहां न तो इलाज के लिए डॉक्टर हैं और न पढ़ाने के लिए प्रोफेसर। रायपुर के सरकारी मेडिकल कालेज में पर्याप्त फैकल्टी नही है, संविदा भर्ती के 152 पदो में ज्वाईनिंग केबल दो की हुई है, सरकार की हठधर्मिता और कम वेतन की वजह से प्रोफेसर ज्वाईन नहीं कर रहे है। गरीब जनता जांच और दवा के लिए दर-दर भटक रही है, और दूसरी तरफसीजीएमएससी व फार्मेसी काउंसिल कमीशनखोरी के खेल में मशगूल हैं। भाजपा सरकार ने छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य विभाग को डॉक्टरों का कार्यस्थल नहीं, बल्कि दलालों और वसूली गैंग का अखाड़ा बना दिया है। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता सुरेन्द्र वर्मा ने कहा है कि छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन व फार्मेसी काउंसिल की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में है।

दीपावली एवं छठ पूजा: रेल मंडल में व्यापक भीड़ प्रबंधन की तैयारी

■ रायपुर, दुर्ग एवं भिलाई पावर हाउस रेलवे स्टेशनों पर विशेष व्यवस्थाएं



रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर रेल मंडल द्वारा दीपावली एवं छठ पूजा के दौरान ट्रेनों एवं रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की संभावित अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद के दिशा निर्देश पर व्यापक भीड़ प्रबंधन योजना तैयार की गई है। यात्रियों की सुरक्षित एवं सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने तथा स्टेशन परिसरों में भीड़ को नियंत्रित रखने के उद्देश्य से रायपुर, दुर्ग एवं भिलाई पावर हाउस रेलवे स्टेशनों पर विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं।

दीपावली तथा छठ पूजा के अवसर पर 05 से 14 नवम्बर 2026 के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ रहने की संभावना है। इसे ध्यान में रखते हुए मंडल रेल प्रशासन द्वारा सभी संबंधित विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर विशेष कार्ययोजना लागू की गई है। रेलवे के वाणिज्यिक, परिचालन, इंजीनियरिंग, विद्युत, सिग्नल एवं दूरसंचार तथा यांत्रिक विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी शिफ्ट अनुसार निर्धारित की गई है, ताकि यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

रायपुर स्टेशन पर विशेष व्यवस्थाएं

रायपुर रेलवे स्टेशन पर लगभग 4200 वर्गफीट क्षेत्र में होल्डिंग एरिया तैयार किया गया है, जिसमें लगभग 400 यात्रियों के बैठने की व्यवस्था के साथ सीसीटीवी, यात्रियों को किफायती खाना, पेयजल की व्यवस्था एवं लाइट की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। टीटीई द्वारा मोबाइल यू.टी.एस. टिकटिंग कि सुविधा। बिहार एवं उत्तर प्रदेश की ओर जाने वाली तीन ट्रेनों 15160 दुर्ग-छपरा सारनाथ एक्सप्रेस,15232 गोंदिया-बरौनी एक्सप्रेस, 13287 दुर्ग-आरा साउथ बिहार एक्सप्रेस को प्लेटफार्म नंबर 07 से संचालित करने के लिए नामांकित किया गया है, जिससे प्लेटफार्म पर यात्रियों की भीड़ को व्यवस्थित किया जा सके।

होल्डिंग एरिया में यात्रियों को किफायती खाना

होल्डिंग एरिया में यात्रियों की सुविधा के लिए, होल्डिंग एरिया में खान-पान की व्यवस्था बहुत ही न्यूनतम दरों पर किफायती खाना 15 रुपए में, किफायती खाना 20 रुपए में, एवं 14 रुपए में रेल नीर एवं निशुल्क जल की व्यवस्था की गई है।

यात्रियों की सुविधा के लिए अतिरिक्त टिकट काउंटर

टिकट काउंटर पर यात्रियों की भीड़ न हो यात्री व्यवस्थित होकर टिकट ले इस हेतु समुचित टिकट काउंटरों की व्यवस्था की गई है। यात्रियों की सुविधा के लिए व्यस्त समय में तीन अतिरिक्त टिकट काउंटर तथा अतिरिक्त ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही एम-यूटीएस सुविधा एवं अतिरिक्त वाणिज्यिक पर्यवेक्षकों की तैनाती की गई है।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, शनिवार 07 नवम्बर 2026

फोम के गोदाम में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जलकर खाक

दुर्ग। जिले में जगदंबा फोम के गोदाम में अचानक भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग की चपेट में आने से गोदाम में रखे लाखों रुपये के सोफे और गद्दे जलकर राख हो गए। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। वहीं, छावनी थाना पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

महिला बंदियों के बच्चों और बालिका गृह की बच्चियों संग डॉ. वर्णिका शर्मा ने बांटी दीपावली की खुशियां

■ जहां जरूरत थी अपनत्व की, वहां पहुंचीं बाल आयोग अध्यक्ष डॉ वर्णिका शर्मा बच्चों संग मनाया दीपोत्सव



रायपुर (विश्व परिवार)। दीपावली केवल दीप जलाने और खुशियां मनाने का पर्व नहीं, बल्कि उन जीवनों में भी उजाला भरने का अवसर है, जहां परिस्थितियों ने खुशियों के रंग कुछ फीके कर दिए हों। यह पर्व प्रेम, अपनत्व, संवेदना और उम्मीद का संदेश देता है। इसी मानवीय भावना को आत्मसात करते हुए छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने खम्हारडीह स्थित बालिका गृह एवं महिला जेल में निरुद्ध महिला बंदियों के बच्चों के साथ दीपावली का पर्व मनाया और उनके बीच खुशियों के पल साझा किए।

इस विशेष अवसर पर उन्होंने बच्चों के बीच पहुंचकर न केवल दीपावली की खुशियां बांटीं, बल्कि उनके साथ आत्मीयता के कुछ ऐसे पल भी बिताए, जिन्होंने बच्चों के चेहरों पर मुस्कान और मन में अपनत्व का एहसास जगाया। उन्होंने बच्चों से बातचीत कर उनकी पढ़ाई, रुचियों, सपनों और भविष्य की आकांक्षाओं को जाना। बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि जीवन की परिस्थितियां किसी के सपनों की सीमा तय नहीं कर सकतीं। हर बच्चे को एक सुरक्षित, सम्मानजनक और खुशहाल बचपन पाने का अधिकार है। किसी भी बच्चे का भविष्य उसकी पारिवारिक परिस्थितियों से नहीं, बल्कि उसकी प्रतिभा, मेहनत, आत्मविश्वास और उसे मिलने वाले अवसरों से तय होना चाहिए। उन्होंने बच्चों को विश्वास दिलाया कि वे अपने सपनों को संजोएं और पूरे आत्मविश्वास के साथ उन्हें साकार करने की दिशा में आगे बढ़ें।

इस दौरान महिला जेल में निरुद्ध महिला बंदियों से भी आत्मीय संवाद किया गया। उनके बच्चों की शिक्षा, परवरिश और बेहतर भविष्य को लेकर चर्चा की गई। उन्हें अपने बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर यह संदेश भी दिया गया कि किसी भी परिस्थिति में बच्चों का बचपन, उनकी भावनाएं और उनके अधिकार प्रभावित नहीं होने चाहिए। बच्चों को अपने माता-पिता की परिस्थितियों का बोझ नहीं, बल्कि अपने सपनों को पूरा करने का अवसर मिलना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान खुशी नामक बच्ची ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर सभी का ध्यान आकर्षित किया। उसके आत्मविश्वास और हुनर को देखकर अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने उसकी खूब सराहना की तथा उसे अपनी प्रतिभा को और निखारने एवं जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। इस छोटी-सी प्रस्तुति ने यह एहसास कराया कि हर बच्चे के भीतर संभावनाओं का एक संसार छिपा होता है, जिसे बस थोड़े से प्रोत्साहन, विश्वास और अवसर की आवश्यकता होती है।

मुख्यमंत्री साय के निर्देश पर पावर कंपनियों में 1,501 पदों पर होगी भर्ती

■ 38 प्रकार के पदों के लिए जारी हुआ विस्तृत भर्ती विज्ञापन

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ की तीनों कंपनियों में बड़े पैमाने पर भर्ती की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा 38 प्रकार के पदों पर कुल 1,501 रिक्तियों के लिए विस्तृत भर्ती विज्ञापन 5 नवंबर 2026 को जारी कर पावर कंपनी की वेबसाइट https://cspc.co.in पर अपलोड किया गया है। इनमें द्वितीय श्रेणी के 195 तथा तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के 1,306 पद शामिल हैं। सबसे अधिक पद कनिष्ठ अभियंता एवं डाटा एंट्री ऑपरेटर के हैं। कनिष्ठ अभियंता इलेक्ट्रिकल के 167 पद हैं, जिनमें जनरेशन कंपनी के 11, ट्रांसमिशन कंपनी के 32 और डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के 124 पद शामिल हैं। इसी तरह डाटा एंट्री ऑपरेटर के 609 पद तीनों कंपनियों के क्रमश: 95, 64 और 450 पद हैं।

यह भर्ती छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी, छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी तथा छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी के लिए की जाएगी। इसके लिए पूर्व में 7 अगस्त 2026 को जारी लघु विज्ञापन तथा 14 सितंबर 2026 को जारी संशोधन के तारतम्य में विस्तृत विज्ञापन जारी किया गया है।

जारी विज्ञापन के अनुसार ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 6 नवंबर 2026 को शाम 8 बजे से प्रारंभ होगी। इच्छुक अभ्यर्थी 26 नवंबर 2026 की रात 11.55 बजे तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। आवेदन शुल्क भी इसी तिथि और समय तक नेट बैंकिंग, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड अथवा यूपीआई के माध्यम से जमा किया जा सकेगा।

विज्ञापन के अनुसार तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के पदों के लिए छत्तीसगढ़ के मूल निवासी अभ्यर्थी ही आवेदन करने के पात्र होंगे। प्रत्येक पद के लिए निर्धारित शैक्षणिक योग्यता, आयु सीमा एवं अन्य पात्रता संबंधी विस्तृत जानकारी भर्ती विज्ञापन में दी गई है।

डॉ. सुनील कालडा करेंगे पटाखों से झुलसे लोगों का नि:शुल्क उपचार



रायपुर (विश्व परिवार)। दीवाली में चिकित्सकों की अनुपलब्धता व मरीजों को होने वाली कठिनाइयों को देखते हुए प्रदेश के सर्वप्रथम व निजी बर्न सेंटर कालडा प्लास्टिक कॉस्मेटिक एवं बर्न सेंटर के संचालक तथा अंचल के सुविख्यात प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जन डॉ. सुनील कालडा ने दीवाली में पटाखों से जलने पर 2 दिन 8 तथा 9 नवम्बर नि:शुल्क प्राथमिक उपचार व सलाह की व्यवस्था अपने पचपेढी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास व जी. ई. रोड, राजकुमार कॉलेज के सामने स्थित अस्पताल में की है।

डॉ. सुनील कालडा (प्रसिद्ध कॉस्मेटिक सर्जन) ने आम जनता से अपील की है कि दीवाली में पटाखों को लापरवाही से न चलाएँ, बल्कि अपनी सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें। बम, अनारदाना, राकेट आदि चलाते समय पर्याप्त दूरी व सावधानी रखें। पटाखे जलाकर सड़क पर न उछालें। छोटे बच्चों को जलते हुए दिए व मोमबत्ती के पास अकेला न छोड़ें। बच्चों को अकेले पटाखे न चलाने दें। पटाखों को अधिक झुककर न चलाएँ, क्योंकि पटाखे कई बार अपेक्षाकृत जल्दी फूट जाते हैं और बचाव के लिए समय नहीं मिलता। पटाखा शरीर के नजदीक फटने से सिर के बाल एवं शरीर के अन्य हिस्से गंभीर रूप से झुलस सकते हैं, क्योंकि पटाखा बनाने में गंधक, पोटाश, कोयला, कंकड़, सुतली, कपड़े एवं कागज का उपयोग होता है। यदि पटाके से जल जाते हैं, तो जलने के तुरंत बाद जले हुए स्थान पर तुरंत पानी डाल दें। ज्ञातव्य है कि डॉ. सुनील कालडा विगत 36 वर्षों से पटाखों से झुलसे लोगों का नि:शुल्क इलाज कर रहे हैं। इसलिए डॉ. सुनील कालडा को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड से सम्मानित किया गया है। डॉ. कालडा ने अपील की है कि दीवाली में मिठाइयों की जगह पौधे दें।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की बड़ी उपलब्धि, 110 रूट किलोमीटर रेलमार्ग पर स्वचालित सिग्नलिंग प्रारंभ

■ 13 खंडों में 235 किलोमीटर दोहरी लाइन के समतुल्य कार्य पूर्ण; नवंबर के पहले सप्ताह में सक्ती-झाराडीह-खरसिया एवं हर्री-वेंकटनगर-निगौरा खंड भी जुड़े



बिलासपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने रेल परिचालन के आधुनिकीकरण की दिशा में वर्ष 2026 में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। अप्रैल से नवंबर 2026 के बीच जोन के व्यस्त रेलमार्गों के 13 खंडों में कुल 110 रूट किलोमीटर रेलमार्ग पर स्वचालित सिग्नलिंग (ऑटोमैटिक सिग्नलिंग) प्रणाली सफलतापूर्वक प्रारंभ की गई है। यह कार्य 235 किलोमीटर दोहरी लाइन के समतुल्य है। इसी क्रम में बिलासपुर मंडल के सक्ती-झाराडीह-खरसिया खंड में 02 नवंबर 2026 को तथा हर्री-वेंकटनगर-निगौरा खंड में 05 नवंबर 2026 को स्वचालित सिग्नलिंग का कार्य पूर्ण कर इसे प्रारंभ किया गया।

ये सभी खंड दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अत्यंत व्यस्त रेलमार्गों पर स्थित हैं, जिनमें हावड़ा-मुंबई मुख्य रेलमार्ग तथा बिलासपुर-कटनी रेलमार्ग के बिलासपुर-अनूपपुर खंड शामिल हैं। इन मार्गों पर यात्री गाड़ियों के साथ-साथ कोयला, इस्पात, सीमेंट एवं बिजली उद्योगों से जुड़ी बड़ी संख्या में मालगाड़ियां चलती हैं। स्वचालित सिग्नलिंग से इन खंडों में एक ही रेलमार्ग पर अधिक ट्रेनों का सुगम परिचालन संभव होगा, जिससे ट्रेनों के समयपालन में सुधार होगा और यात्रियों को बेहतर रेल सेवा मिलेगी।

स्वचालित सिग्नलिंग क्या है?

पारंपरिक व्यवस्था : पारंपरिक प्रणाली में दो स्टेशनों के बीच के पूरे रेलखंड में एक समय में केवल एक ही ट्रेन चलाई जाती है। अगली ट्रेन को तब तक स्टेशन पर प्रतीक्षा करनी होती है, जब तक पहली ट्रेन अगले स्टेशन तक न पहुंच जाए।

स्वचालित सिग्नलिंग : स्वचालित सिग्नलिंग में दो स्टेशनों के बीच के रेलखंड को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर हर हिस्से पर सिग्नल लगाए जाते हैं। ये सिग्नल ट्रेन के आगे बढ़ने के साथ अपने-आप बदलते हैं। इससे एक ही रेलखंड में एक के बाद एक कई ट्रेनें व्यवस्थित ढंग से चलाई जा सकती हैं और ट्रेनों को स्टेशनों पर अनावश्यक प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ती।

धान खरीदी में बायोमेट्रिक और टोकन की पाबंदियां किसानों को परेशान करने की साजिश : दीपक बैज

■ अन्नदाताओं से उनका हक छीनना बंद करे सरकार



रायपुर (विश्व परिवार)। धान खरीदी प्रक्रिया के नाम पर भाजपा सरकार द्वारा लागू किए गए नए, बायोमेट्रिक सत्यापन और टोकन को लेकर जटिल और दमनकारी नियमों पर आपत्ति दर्ज करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि सरकार ने प्रदेश के अन्नदाताओं को बुरी तरह संकट में डाल दिया है। ओटीपी के स्थान पर बायोमेट्रिक सत्यापन की बाध्यता, रकबे के आधार पर टोकन की संख्या सीमित करना, टोकन निरस्त होने का डर, और खरीदी की अवधि में कटौती, यह सब इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि यह सरकार किसानों को धान बेचने से रोकने और उनका उत्पीड़न करने के लिए सुनियोजित षड्यंत्र रच रही है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि एक तो मौसम की मार, ऊपर से टोकन की कैंची और 15 दिन बाद खरीदी शुरू करके 15 दिन पहले खरीदी बंद करने का फरमान, यह किसानों के साथ सीधी धोखाधड़ी है। भाजपा सरकार ढिंढोरा पीट रही है कि खरीदी प्रक्रिया को पारदर्शी और डिजिटल बनाया जा रहा है, जबकि धरातल यह है कि सर्वर डाउन रहने, नेटवर्क की समस्या और बायोमेट्रिक मशीनें फेल होने से किसान घंटों कतारों में खड़े रहने को मजबूर होंगे। फिंगरप्रिंट मैच न होने पर किसानों को लौटाया जायेगा। पिछली कांग्रेस सरकार ने किसानों के लिए टोकन प्रक्रिया को बेहद सरल, सुगम और विकेंद्रीकृत बनाया था। इसके विपरीत, इस सरकार ने रकबे के आधार पर टोकन की संख्या 2 एकड़ से कम पर सिर्फ 1 टोकन की लिमिट लगाकर किसानों के हाथ-पैर बांध दिए हैं। मौसम की खराबी और खेतों में नमी के बीच 15 दिन पहले खरीदी बंद करने का निर्णय किसानों को औने-पौने दामों पर बिचौलियों को धान बेचने पर मजबूर करने की साजिश है।

अनुज शर्मा के कड़े संघर्ष से 10 पीड़ित परिवारों की धनतेरस बनी ऐतिहासिक

■ आईडीबीआई बैंक गबन मामले में हितग्राहियों को मिले लगभग 47 लाख रुपये



धरसींवा (विश्व परिवार)। जब जनप्रतिनिधि जनता के अधिकारों के लिए पूरी निष्ठा और तत्परता से खड़ा हो जाए, तो बड़े से बड़ा बैंक प्रबंधन हो या जटिल व्यवस्था, न्याय की राह निकल ही आती है। धरसींवा ब्लाक मुख्यालय के आईडीबीआई बैंक शाखा में करीब आठ महीने पहले हुए 1.50 करोड़ रुपये के बड़े वित्तीय गबन के मामले में आखिरकार 09 महीने की लंबी और संघर्षपूर्ण लड़ाई रंग लाई। स्थानीय विधायक अनुज शर्मा के कड़े रुख और निरंतर प्रयासों के बाद धनतेरस के पावन अवसर पर बैंक प्रबंधन ने 10 पीड़ित गरीब हितग्राहियों को लगभग 47 लाख (सैंतालीस लाख रुपये की राशि लौटा दी है। बाकी हितग्राहियों की राशि जल्द ही दो क़िस्त में बैंक ने लौटने का वादा किया।

दस माह पूर्व हुआ था 1.50 करोड़ का गबन

उल्लेखनीय है कि दस महीने पूर्व आईडीबीआई बैंक के दो जालसाज कर्मचारियों ने 29 सीधे-साधे और गरीब ग्राहकों के खातों से छलपूर्वक लगभग 1 करोड़ 50 लाख रुपये उड़ा दिए थे। अपनी जीवनभर की कमाई गंवा चुके पीड़ित दर-दर भटकने को मजबूर थे। मामला संज्ञान में आते ही विधायक अनुज शर्मा ने शासन-प्रशासन और पुलिस पर सख्त कार्रवाई का दबाव बनाया, जिसके परिणामस्वरूप छह माह पूर्व ही दोनों धोखाधड़ी करने वाले बैंक कर्मियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था।

तोखन साहू ने बार्सिलोना में विश्वप्रसिद्ध कासा बाट्लो का किया भ्रमण

■ विरासत संरक्षण और आधुनिक शहरी विकास के समन्वय को सराहा



बार्सिलोना (विश्व परिवार)। आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने स्पेन यात्रा के दौरान बार्सिलोना के प्रतिष्ठित पासेइग दे ग्रासिया मार्ग पर स्थित विश्वप्रसिद्ध कासा बाट्लो का भ्रमण किया। यह महान वास्तुकार एंटोनी गौडी की उत्कृष्ट स्थापत्य कृतियों में से एक तथा कैटलन आधुनिकतावादी वास्तुकला का प्रतिष्ठित प्रतीक है।

इस भ्रमण के दौरान श्री साहू को स्थापत्य विरासत, शहरी पहचान, सांस्कृतिक पर्यटन और आर्थिक विकास के परस्पर संबंधों को समझने का महत्वपूर्ण अवसर मिला।

श्री साहू ने इस ऐतिहासिक धरोहर के संरक्षण एवं पुनर्स्थापन के साथ इसे समकालीन सांस्कृतिक गतिविधियों और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन से जोड़ने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक विरासत का संरक्षण और आधुनिक सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ उसका समन्वय शहरों की सांस्कृतिक जीवंतता को बढ़ाने तथा आर्थिक समृद्धि को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

एनआईटी रायपुर द्वारा अग्नि सुरक्षा पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम



रायपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर के डिजास्टर रिस्क रिडक्शन क्लब द्वारा 6 नवंबर 2026 को अग्नि सुरक्षा एवं आपदा जोखिम न्यूनीकरण: रोकथाम और तैयारी विषय पर एक दिवसीय जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में श्री आर. के. पांडेय, उप महानिरीक्षक, होमगार्ड्स, रायपुर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सुश्री अनीमा एस. कुजूर, संभागीय सेनानी, रायपुर तथा डॉ. एन. वी. रमना राव, निदेशक, एनआईटी रायपुर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त श्री पवन जोशी, GO/IC, छत्तीसगढ़ एनडीआरएफ श्री प्रमोद कुमार, उप निरीक्षक एवं टीम प्रभारी; श्री पुष्पराज सिंह, जिला अग्निशमन अधिकारी, रायपुर तथा श्री जगेश्वर धीवर, एसडीआरएफ टीम प्रमुख की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. चंदन कुमार सिंह, समन्वयक, DRR क्लब तथा डॉ. आशीष कुमार विश्वकर्मा, संयोजक, ष्ठक्रक्र क्लब के मार्गदर्शन में किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात अतिथियों का पौधे भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया गया। डॉ. चंदन कुमार सिंह ने स्वागत उद्बोधन देते हुए सभी अतिथियों एवं विद्यार्थियों का हार्दिक अभिनंदन किया तथा अग्नि सुरक्षा एवं आपदा से निपटने की तैयारी के प्रति जागरूकता के महत्व पर प्रकाश डाला। अपने संबोधन में डॉ. एन. वी. रमना राव ने कहा कि यह ष्ठक्रक्र क्लब द्वारा आयोजित पहला कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि हम आपदाओं को रोक नहीं सकते, लेकिन उनसे होने वाली मौतों को अवश्य रोक सकते हैं।

उन्होंने बताया कि अधिकांश जनहानि का कारण भवनों की अनुचित संरचना और सुरक्षा नियमों का पालन न होना है।

शोक संदेश

श्रीमती शोभा जैन



रायपुर। श्रीमती शोभा जैन निवासी गुढियारी रायपुर का आज प्रात: निधन हो गया। स्व.श्रीमती शोभा जैन लक्ष्मीनारायण जी जैन की पत्नि, सचिन एवं सूरज जैन की माता है। उनका अंतिम संस्कार खमतराई शमशान घाट में किया गया।









प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354